निःशुल्क वितरण

हमारा कानून हमारी पुलिस

वर्ष 1 अंक 3

सहचर अख़बार

# न्यायप्रहरी

www.nyaayeprahri.in

न्याय की आवाज़, न्याय को आवाज़

28Jan-3Feb 2025 | Email : nyaayeprahri@gmail.com | WhatsApp : 8873319159 | Dial : 8873319159



न्यायप्रहरी के हर ताज़ा अंक को अपने व्हाट्सप्प पे मंगवाने के लिए संपर्क करें - 887331159


# नक्सलियों पर सुरक्षाबलों का संयुक्त पराक्रम

## डीजीपी ने सुरक्षाबलों का हौसला बढ़ाया | नक्सली एरिया कमांडर शांति देवी और मनोज टुडू का खात्मा | भारी मात्रा में गोला-बारूद जब्त



चुमन कुमार 'सुमन'

**बोकारो** || न्यायप्रहरी

झारखंड के बोकारो जिले के पेंक नारायणपुर के जड़वा जंगल में झारखंड पुलिस और CRPF की संयुक्त टीम ने नक्सल विरोधी अभियान में ऐतिहासिक सफलता दर्ज की है। बुधवार को इस मुठभेड़ में दो खतरनाक नक्सलियों को ढेर कर दिया गया। इनमें महिला नक्सली शांति देवी और नक्सली मनोज टुडू शामिल थे। इस अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए।

**रणविजय महतो की गिरफ्तारीः मुठभेड़ की नींव**

इस बड़ी कार्रवाई की शुरुआत चंद्रपुरा में 15 लाख के इनामी नक्सली रणविजय महतो की गिरफ्तारी से हुई। पूछताछ में रणविजय ने जड़वा जंगल में नक्सलियों के ठिकानों और उनकी खतरनाक योजनाओं का खुलासा किया। उसने यह भी बताया कि नक्सली एक बड़ी घटना को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे और 1 करोड़ के इनामी नक्सली विवेक से संपर्क साधने की तैयारी में थे।

**बरामदगीः नक्सलियों की योजनाओं को ध्वस्त**

मुठभेड़ स्थल से सुरक्षाबलों ने बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया, जिसमें शामिल हैंः 1 एके-47 राइफल, 2 इंसास राइफल्स, 1, LMG मैगजीन, 158 राउंड कारतूस, अन्य सामग्री।

इस बरामदगी से स्पष्ट है कि नक्सली एक बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे, जिसे सुरक्षाबलों ने समय रहते विफल कर दिया।

**डीजीपी और वरिष्ठ अधिकारियों का निरीक्षण**

मुठभेड़ के बाद झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने अभियान स्थल का दौरा किया और सुरक्षाबलों की बहादुरी की सराहना की। उन्होंने कहा, 'झारखंड में नक्सल समस्या का लगभग खात्मा हो चुका है। जो बचे हुए नक्सली हैं, उन्हें आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का मौका दिया जा रहा है।'

सीआरपीएफ आईजी साकेत कुमार सिंह ने बताया कि झुमरा पहाड़ और गिरिडीह के पारसनाथ क्षेत्र में सक्रिय नक्सलियों के खिलाफ जल्द ही बड़े ऑपरेशन शुरू किए जाएंगे।

**पुलिस की प्रतिबद्धताः जनता में सुरक्षा का विश्वास**

इस मुठभेड़ ने न केवल नक्सलियों की योजनाओं को नाकाम किया, बल्कि स्थानीय जनता में सुरक्षा और विश्वास की भावना को भी प्रबल किया है। झारखंड पुलिस और सुरक्षाबलों की यह सफलता उनकी प्रतिबद्धता, साहस और रणनीतिक कौशल का प्रतीक है।

**नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में बड़ा कदम**

यह अभियान न केवल नक्सलवाद को समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि झारखंड के विकास और शांति स्थापना के लिए भी मील का पत्थर साबित होगा। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सुरक्षाबलों के साहसिक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि नक्सलवाद पर पूर्ण विजय अब निकट है।

**नक्सलवाद का अंत निकट**

सुरक्षाबलों की इस सफलता ने न केवल नक्सलियों की कमर तोड़ी है, बल्कि झारखंड की जनता को यह संदेश भी दिया है कि पुलिस और प्रशासन उनके जीवन को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। यह मुठभेड़ नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है और झारखंड में विकास और शांति के नए युग की शुरुआत का संकेत देती है।

### बोकारो एसपी मनोज स्वर्गियारी ने किया अभियान का नेतृत्व

*बोकारो के एसपी मनोज स्वर्गियारी के नेतृत्व में इस ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। पुलिस, सीआरपीएफ, कोबरा बटालियन, जगुआर और जिला बल की संयुक्त टीम ने जड़वा और बंशी के जंगलों में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाईं। लेकिन सुरक्षाबलों ने कुशल रणनीति और साहस का परिचय देते हुए नक्सलियों का डटकर मुकाबला किया। घंटों चली मुठभेड़ के बाद दो नक्सलियों के शव बरामद किए गए।*

## झारखंड में ट्रांसफर-पोस्टिंग घोटाले का भंडाफोड़, गिरोह से जुड़े पांच गिरफ्तार

**रांची** || न्यायप्रहरी

**27.01.25 :** झारखंड में पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों की ट्रांसफर और पोस्टिंग में फर्जीवाड़ा करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। रांची पुलिस ने इस गिरोह के पांच शातिर सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि यह गिरोह आईपीएस, डीएसपी, दरोगा, और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को स्थानांतरण, पदस्थापन, और ठेके दिलाने का झांसा देकर मोटी रकम ऐंठ रहा था।

**गिरोह की साजिश का पर्दाफाश :**

रांची पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर इस गिरोह के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने कोतवाली थाने में मामला दर्ज करते हुए गिरोह के मुख्य सदस्यों को रांची और अन्य जिलों से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सज्जाद उर्फ मुन्ना, कैप्टन सिंह सलूजा, अयान सरकार, चंदन लाल, व सूर्य प्रभात शामिल हैं।

**व्हाट्सएप चैट से बड़ा खुलासा :** पुलिस जांच में आरोपियों के व्हाट्सएप चैट से चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। चैट में कई वरिष्ठ अधिकारियों और रसूखदार नेताओं के नाम सामने आए हैं, जो इस गिरोह के संपर्क में थे। शुरुआती जांच के अनुसार, गिरोह ने अधिकारियों को ट्रांसफर और पोस्टिंग के बदले मोटी रकम वसूली।

**राजनीतिक संपर्कों की जांच जारी :**

आरोपियों में से कुछ के राजनीतिक संपर्कों की जानकारी सामने आई है। ***अयान सरकार:*** भाजपा नेता बाबूलाल सोरेन के व्यवसाय में साझेदार बताया जा रहा है। ***चंदन लाल:*** बाबूलाल सोरेन के अन्य कारोबार में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। ***सूर्य प्रभात:*** भाजपा युवा मोर्चा का प्रदेश उपाध्यक्ष रह चुका है। ***कैप्टन सिंह सलूजा:*** भाजपा के एक राज्यसभा सदस्य के करीबी माने जाते हैं।

**गिरोह का नेटवर्क:**

पुलिस ने बताया कि यह गिरोह राज्यभर में सक्रिय था। धनबाद, जमशेदपुर, और रांची जैसे जिलों में इनके तार फैले हुए हैं। गिरोह का मुख्य निशाना उन अधिकारियों को बनाना था, जो मनचाही पोस्टिंग या ट्रांसफर पाने के लिए तैयार रहते थे।

**पुलिस की कार्रवाई जारी:**

गिरोह के अन्य सदस्यों और फर्जीवाड़े में शामिल अधिकारियों की पहचान के लिए प्रयास जारी हैं। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि दोषियों को सख्त सजा दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। यह घोटाला झारखंड की प्रशासनिक प्रणाली के भीतर व्याप्त भ्रष्टाचार और राजनीतिक प्रभाव के खतरनाक गठजोड़ को उजागर करता है। क्या इस मामले में दोषियों को सजा मिलेगी या यह भी अन्य मामलों की तरह ठंडे बस्ते में चला जाएगा?

संक्षिप्त समाचार

## डायन बिसाही के शक में दिव्यांग की हत्या, 3 गिरफ्तार

**सिमडेगा** || न्यायप्रहरी

**27.01.25** : बोलबा थाना क्षेत्र के समशेरा अंबाटोली में डायन बिसाही के शक में एक दिव्यांग की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मृतक के भतीजे रोहित एक्का सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

**हत्या की वजह और घटना का खुलासाः** डीएसपी हेडक्वार्टर रणवीर सिंह ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 15 जनवरी को समशेरा अंबाटोली निवासी दिव्यांग अतुल एक्का की उसके भतीजे रोहित एक्का और उसके साथियों दीपक डुंगडुंग, अनीश केरकेट्टा ने धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी।

रोहित की मां ने उसे बताया था कि उसके चाचा अतुल ने डायन बिसाही की विद्या से उसके पिता प्रीतम एक्का को मारा है। पिता की मौत के बाद मां के उकसाने पर रोहित ने अपने साथियों के साथ मिलकर चाचा की हत्या की।

**पुलिस ने ऐसे सुलझाई गुत्थीः** एसपी सौरभ के निर्देश पर डीएसपी रणवीर सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने परत-दर-परत अनुसंधान कर रोहित और उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया। एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

**सबूत और बरामदगीः** पुलिस ने आरोपियों के पास से हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद किए हैं।

**टीम में शामिल अधिकारीः** हत्या की गुत्थी सुलझाने वाली टीम में पुअनि सोनु पाठक, थाना प्रभारी अजेन्द्र कुमार सिंह, पुअनि मनोहर कुमार, पुअनि विनायक कुमार पाण्डेय, पुअनि विरेन्द्र मुर्मू सहित अन्य अधिकारी और कर्मी शामिल थे।

**फरार आरोपी की तलाश जारीः** पुलिस फरार आरोपी को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। साथ ही, आरोपियों को जल्द से जल्द सजा दिलाने के लिए साक्ष्यों को मजबूत करने पर काम कर रही है।

## सुंदरपहाड़ी से 2 पेशेवर चोर गिरफ्तार

**गोड्डा** || न्यायप्रहरी

**28.01.25** : जिले के सुंदरपहाड़ी प्रखंड जियाजोरी के ग्रामीणों ने मंगलवार को चोरी के इरादे से आए एक युवक को रंगेहाथ पकड़ लिया. युवक की पहचान गोड्डा मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के तेलोलिया गांव निवासी पिंकू मंडल के रूप मे हुई. ग्रामीणों की सूचना पर सुंदरपहाड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की. पिंकू मंडल ने हाल में हुई चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की. उसने घटना में शामिल अपने साथियों का नाम भी बताया. पिंकू मंडल की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में शामिल रहे उसके साथी प्रदीप पाबरिया को तेलोलिया से गिरफ्तार किया. प्रदीप पाबरिया की निशानदेही पर चोरी गए 5 हजार रुपए, चांदी के जेवर, घटना में प्रयुक्त बाइक व ताला तोड़ने वाला हथियार बरामद कर लिया है.

यह जानकारी सदर एसडीपीओ ने मंगलवार को प्रेसवार्ता में दी. छापेमारी टीम में सुंदरपहाड़ी थाना प्रभारी व अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे. एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार दोनों पेशेवर चोर हैं. उनका आपराधिक इतिहास रहा है. दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया.

# झारखंड पुलिस मुख्यालय में साइबर अपराध रोकथाम पर उच्चस्तरीय बैठक आयोजित

**रांची** || न्यायप्रहरी

**28.01.25** : झारखंड पुलिस मुख्यालय में मंगलवार को साइबर अपराध और धोखाधड़ी वाले APK (Android Application Package) ऐप्स से बचाव के उपायों पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डीजीपी अनुराग गुप्ता ने की, जिसमें साइबर सुरक्षा नीतियों, अपराधियों के तौर-तरीकों, और आम जनता को सुरक्षित रखने के लिए किए जाने वाले प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की गई।

**साइबर अपराध का बढ़ता खतराः**

बैठक में जामताड़ा जिले के पुलिस अधीक्षक ने एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया कि साइबर अपराधी नकली APK फाइल्स का उपयोग करके लोगों को धोखा देते हैं। ये अपराधी असली ऐप्स के जैसे दिखने वाले नकली ऐप्स में मैलवेयर और वायरस छिपाकर उन्हें डिवाइस पर इंस्टॉल करवाते हैं। एक बार इंस्टॉल होने के बाद, ये ऐप्स उपयोगकर्ताओं का निजी डेटा, बैंकिंग जानकारी, और यहां तक कि डिवाइस का रिमोट कंट्रोल भी चुरा लेते हैं।

यह भी बताया गया कि अपराधी आमतौर पर लोगों को मुफ्त ऑफर, संदिग्ध लिंक, और नकली कॉल्स के माध्यम से फंसाते हैं। ऐसे अपराध न केवल आर्थिक नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि आम जनता के बीच भय का माहौल भी पैदा करते हैं।

**सुरक्षा और बचाव के उपायः**

समीक्षा के दौरान, डीजीपी ने साइबर अपराध से बचाव और जागरूकता के लिए व्यापक रणनीति बनाने पर जोर दिया। उन्होंने साइबर सुरक्षा के

निम्नलिखित सुझाव साझा किए, जिन्हें आम जनता के बीच जागरूकता फैलाने के लिए सभी पुलिस अधीक्षकों को लागू करने के निर्देश दिए:

**आधिकारिक स्रोतों से ऐप्स डाउनलोड करें:** केवल Google Play Store या Apple App Store जैसे आधिकारिक प्लेटफार्मों से ही ऐप्स इंस्टॉल करें।

**विश्वसनीय एंटीवायरस का उपयोगः** अपने फोन और अन्य डिवाइस में भरोसेमंद एंटीवायरस ऐप इंस्टॉल करें।

**अनजान स्रोतों से बचें:** अनजान लिंक या स्रोतों से कोई भी ऐप डाउनलोड न करें।

**सिस्टम अपडेट करें:** अपने मोबाइल और अन्य डिवाइस को हमेशा नवीनतम सॉफ़्टवेयर अपडेट से सुरक्षित रखें।

**सार्वजनिक स्थलों पर सतर्कताः** सार्वजनिक स्थानों पर ब्लूटूथ और वाई-फाई का उपयोग करते समय विशेष ध्यान रखें।

**संदिग्ध ऑफर्स और लिंकः** किसी भी संदिग्ध कॉल, विज्ञापन, लिंक या मुफ्त ऑफर पर क्लिक करने से बचें।

**ऑटोमैटिक डाउनलोड बंद करें:** अपने डिवाइस पर ऑटोमैटिक डाउनलोड विकल्प को बंद रखें।

**जागरूकता अभियानों में भाग लें:** पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर सुरक्षा अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लें।

**सामूहिक जागरूकता की आवश्यकता पर जोरः**

डीजीपी ने कहा कि साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया कि वे इन सुरक्षा उपायों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें और स्थानीय स्तर पर जागरूकता अभियान चलाएं।

**तकनीकी दक्षता पर जोरः**

बैठक में तकनीकी रूप से सक्षम अधिकारियों और कर्मियों की भागीदारी पर जोर दिया गया। I4C-MHA (Indian Cyber Crime Co-ordination Centre - Ministry of Home Affairs) की टीम ने भी बैठक में भाग लिया और साइबर अपराध रोकने के नवीनतम उपाय साझा किए।

**आने वाले कदमः**

डीजीपी ने निर्देश दिया कि भविष्य में साइबर अपराधों से निपटने के लिए झारखंड पुलिस तकनीकी रूप से अधिक मजबूत हो और नए उपकरण और प्रशिक्षण का उपयोग करे। उन्होंने यह भी कहा कि साइबर अपराधियों को रोकने के लिए एक प्रभावी तंत्र विकसित करना आवश्यक है।

यह बैठक झारखंड पुलिस की साइबर सुरक्षा में जागरूकता और सतर्कता बढ़ाने की प्रतिबद्धता का हिस्सा थी। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य है कि राज्य के हर नागरिक को साइबर अपराधों के खतरों और उनसे बचने के तरीकों की पूरी जानकारी दी जाए।

## धनबाद SSP ने दिए सख्त निर्देश, CCTV कवरेज बढ़ाने पर जोर

**धनबाद** || न्यायप्रहरी

**23.01.25** : शहर में बढ़ती अपराध की घटनाओं पर लगाम लगाने के उद्देश्य से धनबाद के एसएसपी एचपी जनार्दनन ने गुरुवार को मासिक क्राइम मीटिंग में थानेदारों को कड़े निर्देश दिए। अपने कार्यालय सभागार में आयोजित इस बैठक में एसएसपी ने खासतौर पर लूटपाट, चेन स्नेचिंग, चोरी और डकैती की घटनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने इन अपराधों पर काबू पाने के लिए ठोस रणनीति बनाने और सख्त कदम उठाने की बात कही।

एसएसपी ने शराब की दुकानों के आसपास हो रहे अवैध जमावड़ों और शराबखोरी पर सख्ती बरतने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के स्थानों पर पुलिस की पैनी नजर रहनी चाहिए, ताकि अपराधियों को कोई मौका न मिले।

अपराधियों पर नकेल कसने के लिए शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर CCTV कैमरों की स्थापना को प्राथमिकता दी जा रही है। SSP ने कहा, 'शहर के हर कोने को कैमरे की निगरानी में लाया जाएगा। अपराध करने के बाद अपराधियों का बचना अब मुश्किल होगा।'

एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि सुरक्षा के मद्देनजर इन स्थानों पर CCTV कैमरों की स्थापना सुनिश्चित की जाए: बैंक और एटीएम, मॉल और ज्वेलरी दुकान, पेट्रोल पंप, होटल, रेस्टोरेंट, अपार्टमेंट, हाउसिंग सोसायटी और व्यावसायिक प्रतिष्ठान, बस-ऑटो स्टैंड और पार्किंग स्थल अस्पताल, स्कूल, कॉलेज और कोचिंग संस्थान, बाजार और सिनेमा हॉल.

एसएसपी ने स्पष्ट किया कि इन स्थानों पर कैमरे न लगने की स्थिति में संबंधित थाना प्रभारी जवाबदेह होंगे। बैठक में कोर्ट से जारी वारंट और कुर्की आदेशों को समय पर तामील कराने पर भी जोर दिया गया।

एसएसपी ने कहा कि इस मामले में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बेहतरीन प्रदर्शन पर सम्मान बैठक के अंत में, बेहतर पुलिसिंग करने वाली पेट्रोलिंग टीम और थाना प्रभारियों को पुरस्कृत किया गया। एसएसपी ने कहा कि यह सम्मान उनकी मेहनत और प्रतिबद्धता का प्रतीक है, और इससे अन्य पुलिसकर्मियों को भी प्रेरणा मिलेगी।

बैठक ने एक बार फिर धनबाद पुलिस के अपराध नियंत्रण और शहर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के दृढ़ संकल्प को उजागर किया। एसएसपी के निर्देशों के बाद शहर में अपराधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई और तेज होने की उम्मीद है।

## धनबाद पुलिस ने एक साल में 5,424 मामलों की जांच कीः SSP हृदीप पी जनार्दनन

**धनबाद** || न्यायप्रहरी

**26.01.25** : गणतंत्र दिवस के मौके पर धनबाद पुलिस केंद्र में आयोजित समारोह में एसएसपी हृदीप पी जनार्दनन ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि बीते एक साल में धनबाद पुलिस ने 5,424 आपराधिक मामलों की गुणवत्तापूर्ण जांच कर साक्ष्य जुटाए और अपराधियों को जेल पहुंचाया।

एसएसपी ने बताया कि पुलिस ने नक्सलवाद, अपराध, महिला उत्पीड़न और साइबर अपराध के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। उन्होंने राष्ट्रहित से जुड़े महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के साथ समन्वय स्थापित कर आर्थिक अपराधों को नियंत्रित करने में सफलता प्राप्त की है। संगठित अपराध पर कड़ी कार्रवाई करते हुए अपराधियों पर शिकंजा कसा गया है।

समारोह में एसएसपी ने नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई। उन्होंने अफीम की खेती और नशे के दुष्प्रभावों से बचने का संदेश दिया।

इस मौके पर डीसी माधवी मिश्रा, सिटी एसपी अजीत कुमार, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, एसडीएम राजेश कुमार, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, डीएसपी नौशाद आलम समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

# दयाल सिटी में कानून-व्यवस्था फेल? चार घरों से गायब हुआ कीमती सामान

**जमशेदपुर** || न्यायप्रहरी

**27.01.25** : जमशेदपुर इलाके के छोटा गोविंदपुर स्थित दयाल सिटी जो कभी कड़ी सुरक्षा और शांति

### पुलिस की गश्त में कमी का फायदा उठाते हुए चोरों ने लाखों की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया

का प्रतीक मानी जाती थी, आज अपराधियों के लिए खुला खेल का मैदान बन गई है।

बीती रात हरिकृष्ण अपार्टमेंट में हुई सनसनीखेज चोरी की घटना ने दयाल सिटी की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। एक ही रात में चोरों ने चार घरों को निशाना बनाकर 25 लाख से अधिक की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। मजे की बात यह है कि चोरों ने बेखौफ होकर महज एक घंटे के भीतर इस वारदात को अंजाम दिया। इस घटना के बाद पुलिस की सुस्ती भी सवालों के घेरे में है, सूचना देने के बावजूद घंटों बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।

**पांच नकाबपोश बदमाशों ने चोरी को दिया अंजाम**

न्यायप्रहरी संवाददाता को मिली जानकारी के अनुसार रात के सन्नाटे में लगभग 2 से 3 बजे के बीच पांच नकाबपोश अपराधियों ने दयाल सिटी के हरिकृष्ण अपार्टमेंट में धावा बोल दिया। चोरों ने सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने जिन घरों को निशाना बनाया, उनके मालिक शहर से बाहर थे और घरों में ताला लगा हुआ था। चोरों ने पहले पड़ोसियों के घरों के दरवाजे बाहर से बंद कर दिए ताकि कोई बीच में दखल न दे सके। एक तल्ले पर एक, तीन तल्ले पर दो और चार तल्ले पर एक घर को निशाना बनाया गया।

संक्षिप्त समाचार

## पलामू पुलिस ने 4 एकड़ में फैली अवैध अफीम की खेती को किया नष्ट

**मेदिनीनगर :** पांकी थाना क्षेत्र के ग्राम पुंडरू में वन क्षेत्र और गैर-मजरूआ भूमि पर अवैध रूप से की जा रही अफीम/पोस्ता की खेती को नष्ट किया गया. यह कार्रवाई पांकी थाना प्रभारी राजेश रंजन और वन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई. टीम ने करीब 4 एकड़ में फैली इस अवैध खेती को पूरी तरह से नष्ट कर दिया. अधिकारियों ने बताया कि अवैध खेती के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी. इस अभियान का उद्देश्य न केवल अवैध गतिविधियों पर रोक लगाना है, बल्कि क्षेत्र को नशीले पदार्थों से मुक्त रखना भी है.

## ठेकेदार से घूस लेने वाले जल संसाधन विभाग के इंजीनियर बृज बिहारी सिंह दोषी करार, भेजे गए जेल

**रांची :** रांची ACB की स्पेशल कोर्ट ने जल संसाधन विभाग के तत्कालीन सहायक अभियंता बृज बिहारी सिंह को रिश्वत लेने के जुर्म में दोषी करार दिया है. कोर्ट उन्हें 31 जनवरी को सजा सुनाएगा. फिलहाल दोषी करार देने के बाद सहायक इंजीनियर को जेल भेज दिया गया है. सहायक इंजीनियर बृज बिहारी सिंह को एसीबी की टीम ने 15 हजार रुपए रिश्वत लेते 24 जुलाई 2014 को गिरफ्तार किया था. ACB के मुताबिक यह रिश्वत वह चेक डैम के निर्माण का बकाया राशि का आवंटन के लिए ठेकेदार कालेश्वर महतो से ले रहे थे. बृज बिहारी ने ठेकेदार से 50 हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी. जिसके बाद दोनों के बीच 15 हजार रुपए में सौदा तय हुआ था. ACB ने बृज बिहारी को रिश्वत की रकम लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा था.

## 2500 घूस लेने वाले CCL के दो क्लर्कों को तीन-तीन साल की सजा

**रांची :** रांची सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने रिश्वत लेने के आरोपी सीसीएल रामगढ़ के तत्कालीन अपर डिवीजन क्लर्क दिलीप कुमार और सेवानिवृत्त क्लर्क सुरेश कुमार को दोषी पाकर तीन-तीन वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. इसके साथ दी कोर्ट ने दोनों दोषियों पर 5-5 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि जुर्माने की राशि नहीं देने पर दोषियों को दो माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी. सीबीआई की चार्जशीट के मुताबिक दोनों सीसीएल के एक कर्मचारी की एरियर देने की प्रक्रिया पूरी करने के एवज में 2500 रुपए रिश्वत की मांग की थी. जिसकी शिकायत सीसीएलए के कर्मचारी विदेशिया घासी ने 21 फरवरी 2019 को की थी. उसकी शिकायत पर सीबीआई टीम ने दूसरे दिन रिश्वत की राशि के साथ गिरफ्तार किया था.

# झारखंड के 12 पुलिसकर्मियों को सराहनीय सेवा पदक से सम्मानिता

**बोकारो** || न्यायप्रहरी

गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने झारखंड के 12 पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक (Medal for Meritorious Services) से सम्मानित किया। इस सूची में बोकारो जोन के आईजी माइकल एस राज का नाम सबसे प्रमुख है।

**आईजी माइकल एस राज का बयान**

आईजी माइकल एस राज ने सम्मान प्राप्त करने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, *"यह पुरस्कार मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत है। उग्रवाद पर नियंत्रण और विशेष शाखा में योगदान के लिए यह मान्यता मेरे भविष्य के प्रयासों को और बेहतर बनाएगी।"*

**चयन प्रक्रिया और मानदंड**

सम्मान पाने वालों का चयन कड़ी प्रक्रिया के तहत किया गया, जिसमें पुलिस मुख्यालय और राज्य स्तरीय बोर्ड की सिफारिशें शामिल थीं। मेधावी सेवा पदक (MSM) के लिए 18 वर्षों की सेवा और राष्ट्रपति पुलिस पदक (PSM) के लिए 28 वर्षों की सेवा अनिवार्य पात्रता मानी गई।

**सम्मानित पुलिसकर्मियों की सूची:**

1. **डॉ. माइकल एस राज,** *पुलिस महानिरीक्षक, बोकारो प्रक्षेत्र*
2. **श्रीमती अन्नेपु विजयालक्ष्मी,** *पुलिस महानिरीक्षक, प्रशिक्षण*
3. **नीरज कुमार,** *पुलिस उपाधीक्षक, तकनीकी शाखा (SIB)*
4. **अरुण कुमार,** *पुलिस निरीक्षक*
5. **अरविंद कुमार पालित,** *पुलिस अवर निरीक्षक*
6. **वशिष्ठ कुंवर,** *सहायक अवर निरीक्षक*
7. **संजीव कुमार झा,** *सहायक अवर निरीक्षक*
8. **विजय कुमार,** *सहा. अवर निरीक्षक*
9. **मो. इकबाल,** *हवलदार*
10. **बिंदरे मुंडरी,** *हवलदार*
11. **मानती खलखो,** *महिला आरक्षी*
12. **प्रभा देवी,** *महिला आरक्षी*

**झारखंड पुलिस की भूमिका**

झारखंड पुलिस ने उग्रवाद, संगठित अपराध, और अन्य गंभीर अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन सराहनीय प्रयासों के लिए राज्य के पुलिसकर्मियों को यह राष्ट्रीय मान्यता प्रदान की गई।

झारखंड पुलिस के प्रयासों और उपलब्धियों को देखते हुए यह सम्मान राज्य की कानून-व्यवस्था को मजबूत करने में एक प्रेरणा का कार्य करेगा।

# बोकारो में पत्थर से कुचलकर युवती की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

**बोकारो** || न्यायप्रहरी

**27.01.25 :** बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड के ललपनिया जंगल में एक युवती की लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। युवती के चेहरे पर गंभीर चोट के निशान हैं, जिससे अंदेशा है कि उसकी हत्या पत्थर से कुचलकर की गई है।

शव के पास से पुलिस को शराब की बोतल, पानी की बोतल, एक स्मार्ट वॉच, मोबाइल चार्जर, और एक ज्वेलरी दुकान का पर्स मिला है। मृतका की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। वह पीले रंग की टीशर्ट और ब्लू जींस पहने हुए थी।

घटना का खुलासा तब हुआ जब कुछ चरवाहे जंगल में गए और युवती का शव देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस का मानना है कि युवती को किसी बहाने से इस सुनसान इलाके में लाकर उसकी हत्या की गई। घटनास्थल से मिले सामानों के आधार पर पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस मृतका की पहचान और हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए हर संभावित पहलू पर काम कर रही है। इस जघन्य घटना से इलाके में भय का माहौल है, और लोग अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

# निरसा थाना की बड़ी कार्रवाई; रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी ; अभियुक्त गिरफ्तार

**निरसा** || न्यायप्रहरी

निरसा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रजत मणिक बाखला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि निरसा थाना पुलिस ने रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

**18 लाख रुपये की ठगी का मामला**

पुलिस के अनुसार, धनबाद जिले के कंचनपुर, मोहलबनी निवासी देवनारायण सुपाकर और एक अन्य व्यक्ति ने गोपालगंज, निरसा निवासी श्यामलाल रविदास के पुत्र को रेलवे में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 18 लाख रुपये की ठगी की। इसके अलावा, इस गिरोह द्वारा अन्य कई लोगों से भी इसी तरह की ठगी किए जाने की सूचना मिली है।

**गिरफ्तारी और स्वीकारोक्ति**

इस मामले में निरसा थाना में मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी। मामले के अनुसंधानकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक अविनाश कुमार ने सुदामडीह थाना के सहयोग से देवनारायण सुपाकर को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।

**छापामारी में पुलिस बल शामिल**

गिरफ्तारी के दौरान निरसा थाना पुलिस के साथ सशस्त्र बलों की भी मदद ली गई। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस गिरोह ने और कितने लोगों को अपना शिकार बनाया है। इसके साथ ही अन्य संदिग्धों की पहचान कर उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

**जनता से अपील:**

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोहों से सतर्क रहें और किसी भी संदेहजनक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

# लोकसभा व विधानसभा चुनाव 2024 के लिए 8 IPS अधिकारियों को किया गया सम्मानित

**राँची** || न्यायप्रहरी

**25.01.2025 :** लोकसभा और झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और शांतिपूर्ण निर्वाचन संचालन में उत्कृष्ट योगदान के लिए 8 पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रांची महाविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में इन अधिकारियों को पुरस्कृत किया।

सम्मानित पुलिस अधिकारियों में साकेत कुमार सिंह (पुलिस महानिरीक्षक, सीआरपीएफ), अमोल विनुकांत होमकर (पुलिस महानिरीक्षक, अभियान), माईकलराज एस (पुलिस महानिरीक्षक, बोकारो जोन), अनुप बिरथरे (पुलिस महानिरीक्षक, झारखंड जगुवार), इन्द्रजीत माहथा (पुलिस उप-महानिरीक्षक, झारखंड जगुवार), धनंजय कुमार सिंह (पुलिस उप-महानिरीक्षक, JWTS नेतरहाट), रेश्मा रमेशन (पुलिस अधीक्षक, पलामू), और मिथिलेश कुमार (उप-समादेष्टा) शामिल हैं।

यह सम्मान इन अधिकारियों द्वारा स्वच्छ, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने में उनके सराहनीय योगदान को मान्यता देने के लिए प्रदान किया गया।

# गिरिडीह में नक्सली संगठन से जुड़े दो इनामी गिरफ्तार, पति-पत्नी निकले माओवादी दस्ता के सदस्य

**गिरिडीह** || न्यायप्रहरी

**28.01.25 :** झारखंड के गिरिडीह जिले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के सेंट्रल कमेटी मेंबर और एक करोड़ के इनामी नेता विवेक के दस्ते में शामिल दो नक्सलियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए नक्सलियों में एक महिला और एक पुरुष हैं, जो पति-पत्नी हैं।

गिरफ्तार नक्सलियों की पहचान जमुआ थाना क्षेत्र के गणियाडीह निवासी 29 वर्षीय तालेश्वर हांसदा उर्फ सेरमा और उसकी पत्नी मधुबन थाना क्षेत्र के टेसाफुली निवासी मालती मुर्मू उर्फ गुड़ी उर्फ गुड़िया के रूप में हुई है। इनके पास से 9 एमएम का पिस्टल और गोलियां बरामद की गई हैं।

**सूचना पर पुलिस का अभियान:**

गिरिडीह एसपी डॉ. बिमल कुमार को सूचना मिली थी कि टेसाफुली के जंगली पहाड़ी क्षेत्र में माओवादी संगठन का दस्ता देखा गया है। इस पर सीआरपीएफ 154 बटालियन के कमांडेंट और एसपी के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम का नेतृत्व एएसपी अभियान सुरजीत कुमार और सीआरपीएफ के द्वितीय कमान अधिकारी दलजीत सिंह भाटी ने किया। इसमें डुमरी के एसडीपीओ, डुमरी, पीरटांड और मधुबन थाना के पुलिस अधिकारी शामिल थे। छापेमारी के दौरान दोनों नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया।

**पूछताछ में अहम खुलासे:**

गिरफ्तार पति-पत्नी ने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया कि वे भाकपा माओवादी के प्रमुख नेता प्रयाग मांझी उर्फ विवेक उर्फ करण दा के दस्ते के सक्रिय सदस्य हैं। पूछताछ के दौरान पुलिस को कई महत्वपूर्ण जानकारियां भी मिली हैं, जिनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

**अभियान में शामिल पुलिस टीम:**

इस सफल अभियान में एएसपी अभियान सुरजीत कुमार, सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट मनोज कुमार यादव, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुमित प्रसाद, मधुबन थाना प्रभारी जगन्नाथ पान, पीरटांड थाना प्रभारी दीपेश कुमार और महिला चौकीदार मैनवा देवी के साथ सीआरपीएफ और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

**माओवादी गतिविधियों पर लगाम लगाने की कोशिश:**

गिरिडीह जिले में माओवादी गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस लगातार प्रयासरत है। इस गिरफ्तारी को नक्सल विरोधी अभियान के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस अब मिली जानकारियों के आधार पर माओवादी संगठन की अन्य गतिविधियों पर कड़ी नजर रखेगी।

संक्षिप्त समाचार

## लड़की की अश्लील वीडियो वायरल, FIR दर्ज, जांच तेज

**खूंटी :** 28.01.2025, खूंटी जिले में एक लड़की की अश्लील वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने स्वतः संज्ञान लिया और मामले में FIR दर्ज कर जांच तेज कर दी है। एएचटीयू थाने में कांड संख्या-01/2025 के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने वीडियो में दिख रही लड़की की पहचान भी कर ली है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, खूंटी जिले में सोशल मीडिया पर एक अश्लील वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो को लेकर SP अमन कुमार को सूचना मिली थी। वीडियो की सत्यता की पुष्टि होने के बाद एसपी ने तुरंत FIR दर्ज करने का निर्देश दिया। इसके बाद एएचटीयू थाने की पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया और जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने वीडियो में दिख रही लड़की की पहचान की। पता चला कि लड़की काफी समय से गायब थी और उसकी तलाश जारी थी। पुलिस के अनुसार, यह लड़की कोरोना काल के दौरान मानव तस्करों द्वारा दिल्ली में बेच दी गई थी। लड़की को बेचने वाले व्यक्ति की पहचान भी पुलिस ने कर ली है। इस लड़की को पहले एक लड़के ने अपने प्रेम जाल में फंसाया, फिर उसे दिल्ली ले जाकर बेच दिया। यह मामला तस्करी का था, और आरोपी पहले भी कई लड़कियों को इस तरह से दिल्ली में बेच चुका है। जब लड़की के परिजनों को सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बारे में पता चला, तो परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि वीडियो में युवती ने जिन पर आरोप लगाए हैं, वह उसका पति बिमल है, जिसने उसे दिल्ली में बेच दिया था। पुलिस के अनुसार, इस मामले की जांच में कई चौंकाने वाले सुराग मिले हैं। आरोपी बिमल पहले भी कई अन्य लड़कियों को इसी तरीके से दिल्ली में बेच चुका है। वह लड़कियों को प्रेम जाल में फंसाकर दिल्ली भेज देता था और फिर उन्हें बेच देता था।

खूंटी के SP अमन कुमार ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पहले सोशल मीडिया पर एक बच्ची के गायब होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद महिला थाना प्रभारी को मामले की सत्यता का सत्यापन करने का निर्देश दिया गया। सत्यापन के बाद युवती की मां के बयान पर FIR दर्ज की गई और आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस इस मामले में तेजी से कार्रवाई कर रही है और आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। पहले जिले में मानव तस्करी के मामले सामने आते थे, जिसमें एक गिरोह के सदस्य लड़कियों की तस्करी करते थे, लेकिन अब जिले में ऐसी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। जिले के विभिन्न हिस्सों से कई बार आर्थिक तंगी के कारण लोग अपने बच्चों को काम की तलाश में अन्य राज्यों में भेज देते हैं। इस दौरान बच्चों का शोषण होता है और वे गलत लोगों के संपर्क में आकर तस्करी का शिकार हो जाते हैं। एसपी ने यह भी साफ किया कि वीडियो वायरल करने का मकसद किसी महिला को फंसाने का नहीं, बल्कि आरोपी खुद वीडियो में शामिल है। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है।

# मंदिर के पास खून फैलाकर शांति भंग की साजिश, पुलिस की तत्परता से माहौल संभला

**रांची** || न्यायप्रहरी

**28.01.25** : राजधानी रांची के पंडरा ओपी क्षेत्र में शांति व्यवस्था को भंग करने की साजिश रचने का मामला सामने आया है। असामाजिक तत्वों ने एक मंदिर के पास जानवर का खून फैलाकर माहौल को खराब करने की कोशिश की। हालांकि, रांची पुलिस की तत्परता और सूझबूझ से यह साजिश नाकाम हो गई।

**खून फैलाकर तनाव फैलाने की कोशिश**

यह घटना मंगलवार सुबह बजरा इलाके में स्थित एक मंदिर के पास हुई। मंदिर के पीछे किसी जानवर का खून फैला हुआ था और उसके गले की घंटी भी पास में पड़ी थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि किसी पशु की बलि दी गई हो। स्थानीय लोगों ने इसे देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी।

**पुलिस ने संभाली स्थिति**

मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को बिगड़ने से पहले ही नियंत्रण में ले लिया। खून को तुरंत पानी से साफ कर दिया गया, ताकि किसी प्रकार की अफवाह न फैले। रांची के कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि अब तक मामले को लेकर कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है, लेकिन पुलिस ने साजिश रचने वाले असामाजिक तत्वों की पहचान के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं।

**स्थानीय लोगों की सतर्कता से बड़ा हादसा टला**

स्थानीय लोगों ने सुबह मंदिर के पास खून देखा और तुरंत पुलिस को जानकारी दी। उनकी सतर्कता और पुलिस की तेजी से स्थिति को संभाल लिया गया। डीएसपी ने बताया कि मंदिर के पास मिली खून से लथपथ जगह को साफ कराकर माहौल को शांत रखने की पहल की गई है।

**सीसीटीवी फुटेज के जरिए होगी पहचान**

पुलिस अब आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस साजिश को किसने अंजाम दिया। डीएसपी प्रकाश सोय ने कहा, 'हम साजिश में शामिल लोगों को जल्द ही गिरफ्तार करेंगे। इस प्रकार की घटनाएं शहर की शांति और सौहार्द को नुकसान पहुंचाने के लिए की जाती हैं, लेकिन हम इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे।'

**शहरवासियों से अपील**

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत जानकारी पुलिस को दें। इस प्रकार की घटनाओं से निपटने के लिए सभी को सतर्क रहना होगा और मिलकर शांति बनाए रखनी होगी।

***रांची पुलिस ने असामाजिक तत्वों की साजिश को नाकाम कर शहर को एक बड़े संकट से बचा लिया। पुलिस की सतर्कता और स्थानीय लोगों के सहयोग से माहौल शांत है। हालांकि, इस घटना ने यह साबित कर दिया है कि समाज में कुछ ऐसे लोग हैं जो माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस और प्रशासन के साथ-साथ नागरिकों को भी सतर्क रहने की जरूरत है।***

# लातेहार पुलिस ने JJMP के एरिया कमांडर जितेंद्र सिंह को किया गिरफ्तार

**लातेहार** || न्यायप्रहरी

**28.01.25** : झारखण्ड में लातेहार जिले में पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए झारखण्ड जनमुक्ति परिषद के कमांडर जितेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार उग्रवादी सदर थाना क्षेत्र के सेमरीताड़ गांव का रहने वाला है।

सरकार की ओर से इस पर 2 लाख रुपए का इनाम भी घोषित है।बताया जाता है कि एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि जेजेएमपी का एरिया कमांडर किसी घटना को अंजाम देने के लिए क्षेत्र में अपने सहयोगियों के साथ भ्रमणशील है।

इस सूचना के बाद एसपी के निर्देश पर डीएसपी अरविंद कुमार और थाना प्रभारी दुलड़ चौड़े के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम बनाई गई और नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई।

पुलिस की टीम ने सूचना के आधार पर एक ईंट भट्ठे के पास घेराबंदी कर उग्रवादी को गिरफ्तार कर लिया। छानबीन के बाद उसके पास से पुलिस ने एक देसी बंदूक और चार गोलियां भी बरामद की। हालांकि उसके अन्य सहयोगी घटनास्थल से भागने में सफल रहे।

एसपी कुमार गौरव ने मंगलवार को प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि जेजेएमपी का एरिया कमांडर किसी घटना को अंजाम देने के लिए अपने सहयोगियों के साथ क्षेत्र में भ्रमणशील है। इसी सूचना पर पुलिस की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

एसपी ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी पर लातेहार जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी से पुलिस को कई अन्य महत्वपूर्ण जानकारी भी प्राप्त हुई है,जिसके आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

बता दें कि एरिया कमांडर ने अपने सहयोगियों के साथ एक सप्ताह पूर्व ही सदर थाना क्षेत्र के सेमरीताड़ गांव में एक पारा टीचर के घर में तोड़फोड़ की थी। पारा टीचर के द्वारा इस संबंध में पुलिस के समक्ष लिखित आवेदन भी दिया गया था। जिसके बाद पुलिस ने उग्रवादियों की गिरफ्तारी के लिए सघन छापेमारी आरंभ की थी।

# तुपुदाना में 20 एकड़ सहित कुल 80 एकड़ में लगे अफीम के पौधा पर चला राँची पुलिस का ट्रैक्टर

**राँची** || न्यायप्रहरी

**28.01.25** : राँची पुलिस ने मंगलवार को तुपुदाना क्षेत्र में अफीम की अवैध खेती को नष्ट करने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने तुपुदाना क्षेत्र में 20 एकड़ भूमि पर लगी अफीम की खेती सहित अन्य क्षेत्रों में 80 एकड़ में फैले अफीम के पौधों को ट्रैक्टर और ग्रास कटर मशीन के माध्यम से नष्ट कर दिया।

**विभिन्न इलाकों में अफीम की खेती पर बड़ी कार्रवाई**

तुपुदाना ओपी प्रभारी दुलाल कुमार महतो के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। पुलिस ने ग्राम सहेदा, हुडवा, निचितपुर, रायडीह, देवगाई, भंडारटोली और सिरी के क्षेत्रों में लगभग 20 एकड़ भूमि पर लगी अफीम की खेती को नष्ट किया। इसके अलावा, पुलिस ने तमाड़, बुंडू, राहे, सोनाहातू, नामकुम और दशामफल थाना क्षेत्र में भी अवैध अफीम की खेती पर कार्रवाई की।

**अफीम की खेती को नष्ट करने के लिए त्वरित कार्रवाई**

पुलिस ने जिन क्षेत्रों में अफीम की खेती नष्ट की, उनमें: **बुंडू थाना**: 18 एकड़, **तमाड़ थाना**: 19 एकड़. **दशामफल थाना**: 06 एकड़, **राहे थाना**: 08 एकड़, **सोनाहातू थाना**: 02 एकड़, **नामकुम थाना**: 6.10 एकड़

इसके अलावा, वन विभाग और सुदूरवर्ती जंगली क्षेत्रों में भी लगभग 59.10 एकड़ भूमि में माफिया द्वारा अफीम की खेती की गई थी।

**पुलिस को मिली थी सूचना, जिसके बाद हुई कार्रवाई**

पुलिस को सूचना मिली थी कि इन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अफीम की खेती की जा रही है, जिसके बाद डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की।

**राज्यभर में चलाया जा रहा अभियान**

डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देशन में झारखंड राज्यभर में अफीम की खेती को नष्ट करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान न केवल माफियाओं को कड़ी चुनौती देता है, बल्कि यह प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों की आपूर्ति को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

**अफीम की खेती पर नियंत्रण के लिए पुलिस की सख्ती**

पुलिस की इस कार्रवाई से यह संदेश जाता है कि राज्य सरकार और पुलिस किसी भी अवैध गतिविधि को बढ़ावा नहीं देने देंगे। माफिया और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस इस अभियान को और तेज करेगी ताकि प्रदेश में अफीम की अवैध खेती पर पूरी तरह से नियंत्रण पाया जा सके।

# दो युवकों का अपहरण, 70 हजार लेने के बाद किया मुक्त

**हजारीबाग** || न्यायप्रहरी

**27.01.25** : बरही थाना क्षेत्र स्थित देवचंदा मोड़ से दो युवकों का अपहरण कर उनके साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है. मोबाइल फोन पर 70 हजार रुपया ट्रांसफर करवाकर घटना के 27 घंटे के बाद दोनों को मुक्त किया गया. इस मामले के एक आरोपी और अपहरण में इस्तेमाल बोलेरो गाड़ी को ग्रामीणों ने पकड़ कर कोर्रा पुलिस को सौंप दिया है. पकड़े गये आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है. इस संबंध मे भुक्तभोगी मकसूद आलम और मो इम्तियाज ने कोर्रा थाना मे आवेदन दिया है. दोनों भुक्तभोगी बरही थाना क्षेत्र के कोनरा गांव के रहने वाले है.

**क्या है मामला** : अपहृत युवकों ने बताया कि 25 जनवरी की शाम करीब पांच बजे बिना नंबर प्लेट के की एक गाड़ी (बोलेरो) देवचंदा मोड़ के पास आकर रुकी. उस वक्त हम सभी वहीं बैठे थे. बोलेरो में बैठे लोगों ने कहा कि तुमलोग स्क्रैप लेते हो, चलो स्क्रैप दिला देगें. इसके बाद दोनों को बोलेरो में बैठा लिया. कुछ दूर जाने के बाद बोलेरों में चार और लोग बैठ गये. सभी ने कपड़ा से अपना चेहरा ढंक रखा था. वे लोग तेज आवाज में गाना बजा कर हम दोनों से मारपीट करने लगे, फिर एक सुनसान जगह पर बोलेरो रोका.

अपहृत मकसूद आलम ने कहा कि उनलोगों ने दबाव बनाया और कहा कि घर पर फोन कर बताओ कि एक्सीडेंट हो गया है, इलाज के लिए मेरे मोबाइल पर 60 हजार फोन पे कर दो. सूचना देने पर परिवार वालों ने मेरे मोबाइल पर 60 हजार फोन पे कर दिया. कुछ देर बाद आरोपियों ने दोबारा दबाव बनाया और कहा कि घर वालों को फोन करो कि पुलिस पहुंच गयी है, थाना में मामला नहीं दर्ज करने के एवज में 30 हजार रुपया और मांग रहा है. शक होने पर घर वालों ने पूछा कि तुम कहां हो, हमलोग वहां आते है. इसके बाद आरोपियों ने कहा कि मोबाइल पर 10 हजार रुपया मंगवा लो, तुम दोनों को छोड देंगें. घर वालों ने दोबारा 10 हजार रुपये फोन पे कर दिया. इसके बाद 26 जनवरी को आठ बजे रात इटखोरी मोड़ के समीप छोड़ कर सभी फरार हो गये.

मुक्त होने के बाद घर वालों को पूरी बात बतायी. ग्रामीणों ने बिना नंबर के बोलेरो और आरोपियों की तलाश करते हुए नगवां टॉल प्लाजा के पास पहुंचे. एक होटल के पास वही बोलेरो खड़ा दिखा. होटल के अंदर जाने पर पांच आरोपी चकमा देकर फरार हो गये, जबकि एक आरोपी पकड़ा गया. पकड़े गये आरोपी और बोलेरो को कोर्रा थाना को सौंप दिया.

**प्राथमिकी दर्ज करने के लिए भटकते रहे:** अपहरण के एक आरोपी और बोलेरो को कोर्रा थाना को सौंपने के बाद प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए भुक्तभोगी 27 जनवरी को दिन भर थाना का चक्कर लगाते रहे. भुक्तभोगी को कोर्रा पुलिस ने बताया कि यह घटना बरही थाना क्षेत्र की है. बरही में आवेदन दें. बरही थाना पहुंचने के बाद बरही पुलिस ने भुक्तभोगी के परिजनों से कहा कि यह मामला कोर्रा थाना का है.

परेशान होकर दोनों भुक्तभोगियों ने एसपी अरविंद कुमार सिंह से मुलाकात की और मामले की जानकारी दी. एसपी ने तत्काल कोर्रा पुलिस को बुला कर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है.

# पुलिस की ईमानदारी: समाज की जिम्मेदारी

पूर्णेन्दु सिन्हा पुष्पेश

पुलिस की नैतिकता व कर्तव्यपरायणता समाज की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। पुलिस बल न केवल अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करता है, बल्कि समाज के विश्वास का प्रतीक भी है। लेकिन हाल के वर्षों में पुलिस बल में नैतिकता और कर्तव्य के प्रति लापरवाही और भ्रष्टाचार के मामलों में वृद्धि देखी गई है, जो समाज के भरोसे को हानि पहुंचाती है। यह समस्या सामाजिक दबाव, आर्थिक प्रलोभन और प्रशासनिक दबाव जैसी जटिलताओं से उत्पन्न होती है। पुलिसकर्मियों पर व्याप्त भ्रष्टाचार के साथ-साथ कार्यस्थल पर मनोबल की कमी और अवसंरचनात्मक समस्याएं भी इसे और गंभीर बना देती हैं।

पुलिस बल की नैतिकता की रक्षा के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैं। सबसे पहले, पुलिसकर्मियों को उनकी सेवा के दौरान नैतिकता और कर्तव्य पर आधारित सतत प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। यह प्रशिक्षण उन्हें व्यावहारिक स्थितियों में नैतिक निर्णय लेने के लिए सक्षम बनाएगा। इसके अतिरिक्त, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी उपायों जैसे बॉडी कैमरा और सीसीटीवी का उपयोग अनिवार्य किया जाना चाहिए। इससे न केवल भ्रष्टाचार को रोका जा सकेगा, बल्कि पुलिस कार्यों में विश्वास भी बढ़ेगा।

साथ ही, पुलिसकर्मियों के लिए आर्थिक सुरक्षा और मानसिक समर्थन प्रदान करना भी महत्वपूर्ण है। यदि पुलिसकर्मियों को उचित वेतन और प्रोत्साहन दिया जाए, तो वे आर्थिक प्रलोभनों से बच सकेंगे और अपने कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहेंगे। इसके अलावा, पुलिस बल में अनैतिकता और भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए एक कठोर दंड प्रणाली भी होनी चाहिए, ताकि पुलिस कर्मियों के मनोबल को सुदृढ़ किया जा सके और किसी भी प्रकार की अनैतिकता पर लगाम लगे।

समाज की भूमिका भी इस प्रक्रिया में अत्यंत महत्वपूर्ण है। नागरिकों को चाहिए कि वे पुलिसकर्मियों पर अनैतिक दबाव न डालें और कानून का पालन करें। जब समाज अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होगा, तो पुलिस भी अपने कार्यों को नैतिकता और कर्तव्य परायणता के साथ निभाएगी।

समाप्ति में कहा जा सकता है कि पुलिस बल की नैतिकता और कर्तव्य केवल पुलिस विभाग का कार्य नहीं है, बल्कि यह समाज की साझा जिम्मेदारी है। सुदृढ़ प्रशिक्षण, पारदर्शी प्रशासन और सामाजिक सहयोग के माध्यम से हम पुलिस बल को भ्रष्टाचार और अनैतिकता से मुक्त कर सकते हैं। यही नैतिक पुलिसिंग ही एक सुरक्षित और न्यायपूर्ण समाज की नींव है। पुलिस बल के लिए ईमानदारी केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक नैतिक प्रतिबद्धता होनी चाहिए। जब पुलिसकर्मी अपने कर्तव्यों को ईमानदारी और निष्पक्षता से निभाते हैं, तो वे न केवल समाज में विश्वास और सुरक्षा का माहौल बनाते हैं, बल्कि अपने पेशे को भी सम्मानित करते हैं। इसलिए, पुलिसकर्मियों को अपनी ईमानदारी के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। विभाग और समाज को चाहिए कि वे उन पुलिसकर्मियों को पहचानें, जो अपने कर्तव्यों को बिना किसी व्यक्तिगत लाभ की चिंता किए पूरी निष्ठा से निभाते हैं। उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सार्वजनिक प्रशंसा, पुरस्कार और सम्मान से उन्हें प्रेरित किया जाए। इस प्रकार की प्रेरणा न केवल पुलिस बल को मजबूत करेगी, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव भी लाएगी, जिससे हम एक ऐसे पुलिस बल की उम्मीद कर सकते हैं जो अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदार, निष्पक्ष और समाज के प्रति जिम्मेदार हो।

# चर्चा दिवस गणतंत्र की

डॉ. प्रशान्त करण (IPS)

रवि बाबू का दावा है कि उन्होंने छब्बीस जनवरी के ब्रह्ममुहूर्त में एक विचित्र, अनोखा सपना देख लिया। वे छब्बीस जनवरी को गणतंत्र दिवस की संध्या को विस्तार से बता गए। मैंने सुविधा के लिए उसे लिपिबद्ध भी कर लिया। अब उनके इस विस्तार से बताए गए स्वप्न को सुनकर मेरे पेट में जोर का दर्द उठा। ऐसा मेरे साथ होता है। मेरे पेट में बात पचती नहीं। अपच, अजीर्ण सा होने लगता है। मेरे मन में यह सब किसी से साझा करने की प्रबल इच्छा होने लगी, ताकि यथाशीघ्र ही इस दर्द से छुटकारा पाया जा सके। पर हाय रे भाग्य! कोई आ नहीं रहा। बढ़ती और असह्य पीड़ा से छुटकारा पाने का एकमात्र विकल्प यह बचा कि उसे आप पाठकों तक पहुँचा दूँ। किसी प्रकार से भी अपनी पीड़ा तो दूर हो। बाकी आपकी आप पाठक जानें!

सो अब रवि बाबू के द्वारा बताए गए स्वप्न को जैसा बताया गया, वैसा ही लिपिबद्ध किया गया और आपसे साझा कर रहा हूँ। पुनः बता दूँ, इसके एक-एक शब्द रवि बाबू के ही हैं, मेरे शब्द हैं ही नहीं। मैं तो मात्र अपनी उदरपीड़ा से उबरने के लिए इसे सार्वजनिक कर रहा हूँ।

रवि बाबू ने सपना देखा कि स्वर्ग में गणतंत्र दिवस पर तिरंगे के झंडोत्तोलन के लिए भगत सिंह, उनके अनेक साथी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, बाबा साहेब अंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, महात्मा गाँधी, नेहरू के साथ इंदिरा गाँधी, संजय गाँधी, राजीव गाँधी, माउंटबेटन, एडविना माउंटबेटन, सरदार पटेल, लाल बहादुर शास्त्री, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, वीर सावरकर, नरसिम्हाराव, अटल बिहारी वाजपेयी आदि अनेक लोग एकत्रित हुए। तभी चित्रगुप्त जी ने घोषणा की कि एकत्रित लोग झंडे के स्थल से दाएँ-बाएँ हो जाएँ, ताकि देवाधिदेव महादेव और सारे देवतागण एवं देवियाँ, ऋषि-मुनि झंडा फहराने के स्थान पर सामने हो सकें।

दाईं ओर नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथ भगत सिंह, सभी साथी, बलिदानी, वीर सावरकर शीघ्रता से आ गए। उनके पीछे डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. अंबेडकर, सरदार पटेल, शास्त्री जी, अटल जी और नरसिम्हाराव आदि खड़े हुए। बाईं ओर माउंटबेटन, महात्मा गाँधी, नेहरू और उनके साथ एडविना माउंटबेटन खड़ी हुईं। उनके पीछे इंदिरा गाँधी, राजीव गाँधी खड़े हुए। संजय गाँधी उसी पंक्ति में अधिक दूर अकेले खड़े हुए। मथाई दाईं-बाईं पंक्ति के बीच दूर खड़े थे और उनके साथ नटवर सिंह, विद्वतजन आदि तटस्थ होकर खड़े हो गए।

देवाधिदेव महादेव ने माता पार्वती के साथ झंडोत्तोलन किया। भगवान विष्णु महादेव के ही साथ बगल में खड़े थे। झंडोत्तोलन के बाद राष्ट्रीय गान हुआ। फिर सभी अल्पाहार के लिए अन्य स्थल पर एकत्रित हुए। सबने तटस्थों से प्रश्न किया, 'आप लोग गणतंत्र की विवेचना करें।'

एक आचार्य ने कहा, 'गणतंत्र दो शब्दों की संधि से बना है - गण और तंत्र। गण का अर्थ छंद शास्त्र में भगण, यगण आदि तीन वर्णों के समूह के अतिरिक्त, शिव के परिषद तथा अक्षोहिणी सेना का एक विभाग होता है, जिसमें सत्ताईस रथ, सत्ताईस हाथी, इक्यासी घोड़े और एक सौ पैंतीस पैदल होते हैं।' यह सुनते ही भगवान विष्णु ने इसका करतल ध्वनि से स्वागत किया।

तभी दूसरे आचार्य ने कहा, 'गण के और भी अर्थ हैं, यथा - वर्ग, जाति, श्रेणी, समान उद्देश्य वाले मनुष्यों का समूह, गिरोह, अनुचर या अनुयायी वर्ग, परिचारक, दूत, सेवक, अनुचरों का एक दल आदि।' तभी दाईं ओर से सुनाई पड़ा, 'नेहरू ने गण का अर्थ गिरोह, अनुचर, अनुयायी वर्ग, अनुचरों का एक दल और सेवक समझा।'

नेहरू चुपचाप सुनते रहे। इंदिरा गाँधी ने दबंगता दिखाई और कहा, 'चुप रहो।' तभी दाईं ओर वालों से सभी ने एक स्वर में ऊँचे स्वर में कहा, 'नेहरू अकेले क्या, पूरी कांग्रेस ने अब तक यही समझ रखा है।' तटस्थों ने भी इसका पुरजोर समर्थन किया। इस पर बाईं ओर वालों को साँप सूँघ गया। नारद जी और सभी देवी-देवताओं ने भी सिर हिलाकर इसका समर्थन किया।

तभी तीसरे आचार्य ने कहा, 'तंत्र का अर्थ वेद की एक शाखा, शिव-शक्ति की पूजा और अभिचार आदि का विधान करने वाला शास्त्र, वीणा आदि का तार, विज्ञान संबंधी सिद्धांत होता है।' ऋषियों ने सहमति दिखाई। अन्य विद्वान ने कहा, 'तंत्र के अन्य अर्थ भी हैं - कौटुम्बिक नृत्य, शासन प्रबंध की विशिष्ट प्रणाली, सुख, धन, कुल-परिवार का भरण-पोषण, अधीनता आदि।'

अब तटस्थ रहे लोगों ने तालियाँ बजाकर कहा, 'स्वतंत्रता के बाद दशकों तक नेहरू परिवार ने तंत्र का यही अर्थ लिया।' शिव के गणों ने नाचकर इसका समर्थन किया। महात्मा गाँधी को नेहरू और उनके परिवार जनों ने पकड़कर लाचार कर दिया था। वे लोग हंगामे पर उतर आए। ऋषियों ने उन्हें ऐसा घूरा कि उन सबकी सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई। नारद जी ने कहा, 'नारायण! नारायण! देवाधिदेव महादेव, माता पार्वती की जय हो! प्रभु, आर्यावर्त अब पुनः जागृत हो रहा है।'

इतना सुनकर नेहरू एडविना के साथ पर्दे के पीछे चले गए। उनके परिवारजन गाँधी जी को अगवा कर ले जा रहे थे कि दाईं ओर वाले लोगों ने उन्हें छुड़ा लिया। इसके बाद घबराहट में रवि बाबू की नींद खुल गई।

मैंने जो भी सुना, उसे वैसा ही उगल दिया। अब मेरे पेट की पीड़ा समाप्त हुई। आपकी आप जानें।

# मोरल पुलिसिंगः संतुलित और सकारात्मक क्रियान्वयन की आवश्यकता

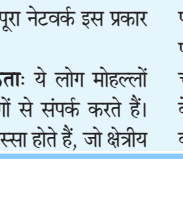

नितेश वर्मा

मोरल पुलिसिंग एक ऐसा विषय है जो समाज में नैतिकता, अनुशासन और शांति बनाए रखने का दावा करता है, लेकिन यह उतना ही संवेदनशील और विवादास्पद भी है। इसे संतुलित और समझदारी के साथ लागू किया जाए, तो यह सामाजिक सद्भाव और नागरिक स्वतंत्रता को प्रोत्साहित करने में सहायक हो सकता है। इसके प्रभावी और सकारात्मक क्रियान्वयन के लिए कुछ स्पष्ट उपायों की आवश्यकता है, जो समाज में जिम्मेदारी और नैतिक मूल्यों का विकास करें।

मोरल पुलिसिंग का दायित्व स्व-घोषित संगठनों या समूहों को नहीं दिया जाना चाहिए। इसे राज्य और सरकारी संस्थाओं की देखरेख में संचालित किया जाना चाहिए। एक सुव्यवस्थित और पारदर्शी प्रणाली का निर्माण करना आवश्यक है, जिसमें मोरल पुलिसिंग के उद्देश्यों और सीमाओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाए।

इस प्रक्रिया का उद्देश्य किसी विशेष विचारधारा या संस्कृति को थोपना नहीं, बल्कि समाज में अनुशासन और नैतिकता को प्रोत्साहित करना होना चाहिए। सरकार को संवैधानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह प्रक्रिया संतुलित और निष्पक्ष हो।

मोरल पुलिसिंग को प्रभावी बनाने के लिए समाज में नैतिक शिक्षा का प्रसार महत्वपूर्ण है। इसका उद्देश्य लोगों को विवेक और सोच के आधार पर सही-गलत का निर्णय लेने में सक्षम बनाना होना चाहिए।

शैक्षणिक संस्थानों और सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से नैतिक शिक्षा दी जा सकती है। इस शिक्षा का उद्देश्य विविध सांस्कृतिक और धार्मिक समूहों के बीच संवाद और समझ विकसित करना भी होना चाहिए। इससे समाज में सहिष्णुता और परस्पर सम्मान का माहौल तैयार होगा।

मोरल पुलिसिंग के प्रयासों को पारदर्शी और जिम्मेदार बनाना अत्यंत आवश्यक है। यह सुनिश्चित करना होगा कि यह प्रक्रिया संविधान और कानून के दायरे में हो।

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया का उपयोग नागरिकों को उनकी समस्याओं के समाधान में मदद करने के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा, एक स्वतंत्र निगरानी प्रणाली बनाई जानी चाहिए, जो यह सुनिश्चित करे कि किसी के अधिकारों का उल्लंघन न हो। इस प्रकार की पारदर्शिता मोरल पुलिसिंग को अधिक प्रभावी और समाज हित में बनाएगी।

सार्वजनिक मंचों और विचार-विमर्श के आयोजन से समाज में संवाद और समझ बढ़ाई जा सकती है। इन मंचों पर विभिन्न विचारधाराओं के लोग अपने विचार साझा कर सकते हैं।

इससे समाज में सहमति और सहयोग का वातावरण बनेगा और यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी समूह अपनी नैतिकता दूसरों पर न थोपे। संवाद से सहिष्णुता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है।

मोरल पुलिसिंग का उपयोग समाज के संवेदनशील वर्गों, जैसे महिलाओं और बच्चों, के अधिकारों की रक्षा के लिए किया जा सकता है। इसका उद्देश्य लैंगिक समानता, महिला सुरक्षा और बच्चों के अधिकारों को सुनिश्चित करना होना चाहिए।

जब इसे सकारात्मक दृष्टिकोण से लागू किया जाता है, तो यह समाज में समानता और सुरक्षा को बढ़ावा देने में सहायक हो सकता है।

मोरल पुलिसिंग के लिए सरकार को एक ठोस और प्रभावी योजना तैयार करनी होगी। इसका उद्देश्य समाज में नागरिकता के अच्छे विचारों को बढ़ावा देना होना चाहिए, न कि केवल दमनात्मक कदम उठाना।

सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मोरल पुलिसिंग के प्रयास केवल नैतिक मूल्यों को बढ़ावा दें और समाज के किसी भी व्यक्ति को उसके अधिकारों से वंचित न करें। कानून और व्यवस्था को मजबूत करने के साथ यह भी आवश्यक है कि हर कार्य रचनात्मक और सकारात्मक हो।

मोरल पुलिसिंग का सही क्रियान्वयन समाज के समग्र विकास में सहायक हो सकता है। यह प्रक्रिया नागरिकों को नैतिकता और जिम्मेदारी की भावना से प्रेरित कर सकती है।

जब समाज का हर व्यक्ति अपने आचरण और कार्यों के प्रति जागरूक और जिम्मेदार होगा, तो एक सकारात्मक वातावरण विकसित होगा, जिसमें स्वतंत्रता और अधिकारों का सम्मान सर्वोपरि होगा।

मोरल पुलिसिंग को एक दमनात्मक उपाय के बजाय सकारात्मक, रचनात्मक और सहायक प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए। इसे लागू करते समय संवैधानिक मूल्यों और नागरिक स्वतंत्रता का सम्मान करना अत्यंत आवश्यक है।

यदि इसका उद्देश्य समाज में नैतिक मूल्यों और अच्छे आचरण को बढ़ावा देना है, तो यह समाज को अधिक जिम्मेदार, संवेदनशील और शांतिपूर्ण बना सकता है। इसके माध्यम से एक ऐसा समाज बनाया जा सकता है जहां विविधता को स्वीकार किया जाए और हर व्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान हो।

सहचर अख़बार : राष्ट्रीय मुख्यधारा

◦ प्रमुख परामर्श संपादक ◦

डॉ. प्रशान्त करण (IPS)
पूर्व डीआईजी, साहित्यकार
श्री ए के श्रीवास्तव
वरिष्ठ अधिवक्ता

◦ संपादक मंडल ◦

पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'
नितेश वर्मा,
कैलाश चन्द्र गोस्वामी
चुमन कुमार 'सुमन'

कार्यालय:
- 93 , मेजर कोठी , रांची, झारखण्ड।
- श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो, झारखण्ड।
8873319159/9199532328/
9525121555/9430333223

# झारखंड में लॉटरी का अवैध धंधाः प्रशासनिक चुप्पी और बढ़ती सामाजिक चिंता

कैलाश चंद्र गोस्वामी

झारखंड के कई जिलों में लॉटरी का अवैध कारोबार बेलगाम होता जा रहा है। राजधानी रांची, गिरिडीह, बोकारो, धनबाद जैसे प्रमुख शहरों के साथ-साथ दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में भी यह धंधा तेजी से पैर पसार रहा है। गली-मोहल्लों से लेकर व्यस्त बाजारों तक, इस अवैध धंधे का जाल फैला हुआ है। चिंता की बात यह है कि लॉटरी के इस गैरकानूनी खेल को चलाने वाले माफिया स्थानीय नेताओं और पुलिस के संरक्षण में खुलेआम अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं।

कैसे काम करता है यह अवैध नेटवर्क?

इस गैरकानूनी धंधे में कई स्तर पर लोग काम करते हैं। नीचे से लेकर ऊपर तक का पूरा नेटवर्क इस प्रकार काम करता है:

**एजेंट्स और टिकट विक्रेताः** ये लोग मोहल्लों और बाजारों में जाकर सीधे लोगों से संपर्क करते हैं।

**संगठनकर्ताः** ये माफिया का वह हिस्सा होते हैं, जो क्षेत्रीय स्तर पर लॉटरी का प्रबंधन करते हैं।

**शीर्ष माफियाः** ये पूरे नेटवर्क को कंट्रोल करते हैं और स्थानीय नेताओं तथा पुलिस से सांठगांठ करते हैं।

**गली-मोहल्लों में फंसा रहे गरीब जनता को**

लॉटरी माफिया सबसे ज्यादा निशाना गरीब और मध्यम वर्गीय लोगों को बनाते हैं। ये लोग झूठे सपने दिखाकर उन्हें आकर्षित करते हैं, जैसे 'कम पैसे में बड़ा इनाम जीतने का मौका।' लेकिन सच्चाई यह है कि ज्यादातर लोग इसमें अपनी गाढ़ी कमाई गंवा देते हैं। कई परिवार कर्ज में डूब जाते हैं और आर्थिक संकट का सामना करते हैं।

**पुलिस और नेताओं की भूमिका पर सवाल**

स्थानीय जनता का कहना है कि पुलिस और माफिया के बीच गठजोड़ के बिना इस धंधे का इस हद तक फलना-फूलना असंभव है। कई मामलों में पुलिस को पहले से जानकारी होती है कि कहां लॉटरी का खेल चल रहा है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती। नेताओं के संरक्षण की बात भी सामने आई है, जो इस अवैध कारोबार को बढ़ावा देते हैं।

**सामाजिक और आर्थिक प्रभाव**

**आर्थिक संकटः** लॉटरी के चक्कर में गरीब परिवार अपनी बचत गवां देते हैं और कर्ज में डूब जाते हैं।

**अपराध बढ़नाः** इस अवैध धंधे से जुड़ा पैसा अक्सर दूसरे अपराधों में लगाया जाता है, जिससे समाज में असुरक्षा बढ़ती है।

**युवाओं का प्रभावित होनाः** बेरोजगार युवा जल्दी पैसे कमाने के लालच में इस धंधे से जुड़ जाते हैं, जिससे उनका भविष्य खराब हो जाता है।

**कानून और प्रशासन की कमजोरी**

लॉटरी जैसे अवैध धंधे को रोकने के लिए कानून हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन कमजोर है। स्थानीय पुलिस प्रशासन का इस मामले में सुस्त रवैया और नेताओं का सहयोग इस समस्या को और गंभीर बना रहा है।

**लॉटरी माफिया पर कैसे कसे नकेल?**

**विशेष अभियान चलानाः** जिलों के पुलिस कप्तानों को सख्त निर्देश देकर इस अवैध धंधे के खिलाफ व्यापक स्तर पर छापेमारी करनी चाहिए।

**संपत्ति जब्तीः** माफिया के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनकी अवैध संपत्ति को जब्त करना चाहिए।

**जनजागरूकताः** आम जनता को जागरूक करना होगा कि वे इन फर्जी लॉटरी स्कीमों से बचें।

**नेताओं और पुलिस की भूमिका की जांचः** उन नेताओं और पुलिसकर्मियों की जांच होनी चाहिए, जिन पर माफिया को संरक्षण देने का आरोप है। झारखंड में लॉटरी पर पहले से प्रतिबंध है, लेकिन इसका पालन सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। यह न केवल अवैध कारोबार को खत्म करेगा, बल्कि समाज में अपराध और भ्रष्टाचार को भी कम करेगा।

लॉटरी का यह अवैध धंधा झारखंड की अर्थव्यवस्था और समाज के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। पुलिस और प्रशासन को इस पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि जनता को इस धोखाधड़ी से बचाया जा सके। नेताओं और पुलिसकर्मियों की जवाबदेही तय कर ही इस समस्या को जड़ से खत्म किया जा सकता है। जनता को भी जागरूक होकर इस अवैध गतिविधि के खिलाफ आवाज उठानी होगी।

## संक्षिप्त समाचार

### सेक्टर 6 में बड़ी चोरीः खिड़की काटकर घर में घुसे चोर, लाखों का सामान उड़ाया

**बोकारो :** सेक्टर 6-बी स्थित आवास संख्या 4040 में चोरी की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। घटना तब घटी जब गृहस्वामी डीएन प्रसाद, जो बीएसएल में कार्यरत हैं, अपनी पत्नी के इलाज के लिए कोलकाता गए हुए थे। चोरों ने उनकी अनुपस्थिति का फायदा उठाकर घर को पूरी तरह खंगाल डाला।

सुबह पड़ोसियों ने घर का दरवाजा खुला देखा और चोरी की सूचना पुलिस को दी। सिटी डीएसपी आलोक रंजन और सेक्टर 6 थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि चोर खिड़की काटकर घर में दाखिल हुए थे। घटना को अंजाम देने से पहले चोरों ने सीसीटीवी कैमरे के तार भी काट दिए।

चोर घर से लाखों रुपये का सामान ले गए, जिसमें कीमती गहने, टीवी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शामिल हैं। पुलिस ने आशंका जताई है कि इस घटना में कम उम्र के अपराधियों का हाथ हो सकता है। पुलिस ने डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम को जांच में शामिल किया है।

घटना स्थल से मिले सुरागों के आधार पर जल्द ही चोरों को पकड़ने का दावा किया गया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ कर रही है। इस घटना के बाद क्षेत्र के निवासियों में भय का माहौल है। उन्होंने पुलिस से गश्त बढ़ाने और सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने की मांग की है।

पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा और अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

### प्रतिष्ठानों में लगाएं सीसीटीवी कैमरे, 15 दिनों का रखें फुटेज

**धनबाद :** जिले की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंध करने के लिए सभी प्रतिष्ठान सीसीटीवी कैमरे लगाएं। कैमरों का फुटेज कम से कम 15 दिनों तक संरक्षित रखें। डीएसपी सीसीआर सुमित कुमार ने धनबाद के लोगों से यह अपील की। वे सोमवार को थाना प्रभारियों के साथ सुरक्षा को ठोस करने के निमित्त बैठक कर रहे थे।

बैठक में डीएसपी ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई बिंदुओं पर चर्चा की। उन्होंने थाना प्रभारियों से कहा कि सुरक्षा के मद्देनजर सभी बैंक, एटीएम, मॉल, ज्वेलरी दुकान, पेट्रोल पंप, होटल, रेस्टोरेंट, शराब दुकान, अपार्टमेंट, हाउसिंग सोसाइटी, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, बस स्टैंड, ऑटो स्टैंड, पार्किंग स्थल, हॉस्पिटल, मॉल, स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सहित अन्य शिक्षण संस्थान, महत्वपूर्ण चौक-चौराहों, बाजार, सिनेमा घरों में कैमरा लगाना अनिवार्य है। थाना प्रभारी यह सुनिश्चित करें। कैमरा हाई रेजुलेशन वाला होना चाहिए। कैमरा लगाते समय इस पर विशेष ध्यान दिया जाए कि किसी की निजता भंग न हो। खासकर जिस क्षेत्र में महिलाएं और बच्चे हों वहां इसका ख्याल रखा जाय। सभी कैमरों में या तो रिकार्डिंग सिस्टम हो या फिर कैमरे की लाइव फीड को क्लाउड पर भेजने की व्यवस्था होनी चाहिए।

# आबकारी विभाग की लापरवाही से शराब का कारोबार बेकाबू, ओवररेट पर खुलेआम बिक्री

**बोकारो** || न्यायप्रहरी

**27.01.25 :** जिले में शराब का कारोबार बेकाबू होता जा रहा है, और इसे रोकने में आबकारी विभाग पूरी तरह से विफल साबित हो रहा है। स्थानीय ढाबों से लेकर अन्य अनधिकृत जगहों पर शराब की उपलब्धता बेखौफ जारी है। ओवररेट पर शराब बेची जा रही है, और इसकी शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई से दूरी बनाए हुए हैं।

**आबकारी विभाग की लापरवाही पर सवालः**

स्थानीय नागरिकों और मीडिया के मुताबिक, आबकारी विभाग के निरीक्षक से लेकर उच्च अधिकारी तक अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में असफल रहे हैं। कई बार अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनके कार्यालय और फोन लगातार अनुपलब्ध पाए गए। इससे यह स्पष्ट होता है कि या तो अधिकारी जानबूझकर अपनी जिम्मेदारियों से बच रहे हैं या वे भी इस अवैध कारोबार में अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं।

**ढाबों पर खुलेआम ओवररेट बिक्रीः**

बोकारो में कई ढाबों पर शराब दुगुने दाम पर आसानी से उपलब्ध है। ढाबा संचालक निडर होकर इसे बेच रहे हैं, जिससे साफ है कि उन्हें किसी कार्रवाई का डर नहीं है। यह स्थिति केवल आबकारी विभाग की लापरवाही को उजागर नहीं करती, बल्कि इसमें उनके संभावित संलिप्तता के भी संकेत देती है।

**शिकायतें और उदाहरणः**

**अनधिकृत बिक्रीः** शहर के कई ढाबों और छोटी दुकानों पर शराब खुलेआम बेची जा रही है।

**ओवररेट बिक्रीः** निर्धारित दर से दुगुने दाम पर शराब बेची जा रही है। उदाहरण के तौर पर, एक बोतल की कीमत 150 है, लेकिन इसे 300 तक में बेचा जा रहा है।

**कार्रवाई का अभावः** हाल ही में, कई स्थानीय नागरिकों ने आबकारी विभाग को शिकायत दर्ज कराई, लेकिन किसी भी स्तर पर कार्रवाई नहीं की गई।

कनेक्टिविटी की समस्याः मीडिया ने जब आबकारी कार्यालय और अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की, तो वे हमेशा अनुपलब्ध पाए गए।

**स्थानीय जनता में आक्रोशः**

शहर में आबकारी विभाग की लापरवाही और भ्रष्टाचार से लोगों में गहरा आक्रोश है। उनका मानना है कि विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत के कारण ही यह अवैध कारोबार फल-फूल रहा है।

**आवश्यक कदमः**

स्थानीय प्रशासन और उच्च अधिकारियों को इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की जरूरत है। एक स्वतंत्र जांच कमेटी बनाकर आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली की जांच की जानी चाहिए। इसके अलावा, अनधिकृत शराब की बिक्री और ओवररेटिंग पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि जिले में शराब के अवैध व्यापार पर अंकुश लगाया जा सके।

**समाधान की दिशा में उम्मीदः**

बोकारो के जागरूक नागरिकों ने मांग की है कि राज्य सरकार और संबंधित विभाग इस मामले को गंभीरता से लें और जिले में शराब के अवैध व्यापार को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएं। क्या आबकारी विभाग अपनी जिम्मेदारी निभाएगा, या फिर यह मामला यूं ही दबा रहेगा? यह सवाल हर बोकारोवासी के मन में उठ रहा है।

# BSL का बड़ा एक्शन प्लानः अनुशासनहीन अधिकारियों पर गिरेगी गाज

**बोकारो** || न्यायप्रहरी

**27.01.25 :** बोकारो स्टील प्लांट (BSL) ने अपनी क्वार्टर मैपिंग में अवैध गतिविधियों का खुलासा होने के बाद एक सख्त कार्रवाई की योजना बनाई है। अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा अलॉटिड क्वार्टरों को किराए पर देने का मामला कंपनी के लिए गंभीर बन चुका है, क्योंकि यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि कंपनी को आर्थिक और प्रशासनिक नुकसान भी हो रहा है।

बीएसएल प्रबंधन ने अवैध कब्जे और किराए पर दिए गए क्वार्टरों पर कार्रवाई के लिए विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर ली है और अब केवल प्रबंधन के आदेश का इंतजार है। रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 80 अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा क्वार्टर किराए पर दिए जाने की जानकारी सामने आई है, जबकि 5,600 क्वार्टर अवैध कब्जे में हैं, जिनसे बिजली-पानी की चोरी के कारण कंपनी को हर महीने करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है।

BSL प्रबंधन ने यह स्पष्ट किया है कि इस मामले में कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। पहले चरण में नोटिस भेजे जाएंगे और इसके बाद भी यदि कब्जेदारों को नहीं हटाया गया, तो अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी और क्वार्टर खाली कराने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। यह कदम न केवल अवैध गतिविधियों को रोकने में मदद करेगा, बल्कि कंपनी के संचालन को भी सुचारू बनाएगा और अन्य कर्मचारियों के लिए एक कड़ा संदेश होगा।

# गांजा विवाद में अभिषेक कुमार सिंह की हत्या, चार आरोपी गिरफ्तार

**28.01.25 :** रांची के चान्हों थाना क्षेत्र से अभिषेक कुमार सिंह की हत्या मामले में 04 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है. गांजा पीने के दौरान हुए विवाद को लेकर अभिषेक कुमार सिंह की हत्या की गई थी. गिरफ्तार आरोपियों में आजाद अंसारी, नसीम अंसारी, राजू राय उर्फ मुस्ताक राय और युनुस राय को गिरफ्तार किया गया. आरोपियों के पास से हत्या में प्रयुक्त चाकू को भी बरामद किया गया है. पूर्व से चली आ रही विवाद के कारण आजाद अंसारी ने अपने दोस्तों के साथ मिल कर हत्या की घटना को अंजाम दिया. कोयला के अवैध धंधा को लेकर पूर्व से विवाद चली आ रही थी.

रांची के चान्हों थाना क्षेत्र में हत्या की गुथी को 72 घंटे के अंदर सुलझा लिया था. मामले में मुख्य आरोपी सहित चार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है. बताया जा रहा है कि मृतक अभिषेक कुमार सिंह के साथ मुख्य आरोपी आजाद अंसारी का विवाद पिछले कई वर्षों से चला आ रहा था जिस वजह से हत्या की घटना को अंजाम चाकू से गोद कर की गई है. अवैध कोयला धंधा को लेकर दोनों के बीच विवाद था और जब सभी एक जगह बैठ कर नशा कर रहे थे. नशे के दौरान कहा सुनी शुरू हुई और चाकू से गोद कर हत्या कर दिया गया. मामले में चार अपराधी गिरफ्तार हुए हैं.

# बोकारो में कोयला तस्करी पर लगाम नहीं, ग्रामीणों और कोल माफिया के बीच बढ़ा तनाव

**बोकारो** || न्यायप्रहरी रिपोर्ट

झारखंड के बोकारो जिले के चंदनकियारी क्षेत्र में कोयले की तस्करी एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। चंदनकियारी की अमलाबाद और शिवबाबूडीह पंचायतों में दामोदर नदी किनारे कोयले का अवैध उत्खनन, परिवहन और विपणन खुलेआम जारी है। इस अवैध कारोबार के कारण ग्रामीणों और कोल माफिया के बीच तनाव और खूनी संघर्ष की स्थिति पैदा हो रही है।

**अवैध उत्खनन से बढ़ा खतरा**

कोल माफिया के इशारे पर पोकलेन मशीनों का इस्तेमाल कर बड़े पैमाने पर कोयले का अवैध उत्खनन हो रहा है। इन क्षेत्रों में चाल धंसने का खतरा हमेशा बना रहता है, जिससे आसपास के ग्रामीणों की जान को बड़ा खतरा है। प्रशासन की अनदेखी के चलते इस अवैध गतिविधि में तेजी आई है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि चाल धंसने की घटनाओं से पहले भी कई जानें जा चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

**कोयला तस्करी पर रोक की मांग**

चंदनकियारी के निवासियों ने जिले के पुलिस कप्तान और प्रशासन से मांग की है कि इस अवैध कारोबार पर तत्काल रोक लगाई जाए। कोयला तस्करी न केवल राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि इससे सरकार को राजस्व का बड़ा

नुकसान भी हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस अवैध कारोबार पर लगाम नहीं लगाई गई, तो वर्चस्व की लड़ाई और बढ़ेगी, जिससे बोकारो जिले में अपराध का ग्राफ और ऊपर जाएगा।

**खूनी संघर्ष की आशंका**

कोयले की तस्करी से ग्रामीणों और कोल माफिया के बीच लगातार तनाव बना हुआ है। अवैध उत्खनन के दौरान कई बार स्थानीय निवासियों और तस्करों के बीच हिंसक झड़पें हो चुकी हैं। स्थिति यह है कि ग्रामीण अब अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। माफिया के प्रभाव और दबाव के कारण कई ग्रामीण विरोध करने से भी कतराते हैं।

**राष्ट्रीय संपत्ति को भारी नुकसान**

दिनदहाड़े पोकलेन मशीनों और ट्रकों की मदद से कोयले की निकासी हो रही है, जिससे राष्ट्रीय संपत्ति को भारी नुकसान हो रहा है। इस अवैध कारोबार के कारण सरकार को राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा, क्षेत्र के पर्यावरण को भी इस तस्करी से नुकसान पहुंच रहा है।

**प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल**

ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन और पुलिस को इन अवैध गतिविधियों की जानकारी होने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। पुलिस और खनन विभाग की निष्क्रियता पर सवाल उठ रहे हैं। क्षेत्र में कोयले की तस्करी रोकने के लिए कोई प्रभावी योजना नहीं बनाई गई है।

**जरूरी कदम उठाने की मांग**

बोकारो जिले के नागरिकों ने प्रशासन और पुलिस विभाग से अवैध उत्खनन और तस्करी पर रोक लगाने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की है। यदि समय रहते इस समस्या को सुलझाया नहीं गया, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के लिए सख्त कानूनों का पालन, नियमित छापेमारी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई आवश्यक है।

**सरकार और प्रशासन के सामने चुनौतियां**

बोकारो जिले में कोयले की तस्करी और माफिया के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए प्रशासन के सामने यह चुनौती है कि वह न केवल इस अवैध कारोबार को रोके, बल्कि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बहाल करे। ग्रामीणों और कोयला माफिया के बीच बढ़ते तनाव को रोकना भी प्रशासन के लिए बड़ी जिम्मेदारी बन चुका है।

बोकारो जिले में कोयला तस्करी न केवल राष्ट्रीय संपत्ति और राजस्व को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि इसके कारण क्षेत्र में अपराध का ग्राफ भी तेजी से बढ़ रहा है। प्रशासन को इस समस्या पर तुरंत ध्यान देने और इसे रोकने के लिए कठोर कदम उठाने की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

## कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा 48 घंटे के रिमांड पर, रांची पुलिस कर रही पूछताछ

**रांची:** झारखंड का कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा को रांची पुलिस ने ओरमांझी इलाके में हुई गोलीबारी सहित कई गंभीर आपराधिक मामलों में पूछताछ के लिए 48 घंटे के रिमांड पर लिया है। सुजीत सिन्हा को मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच हजारीबाग जेल से रांची लाया गया। पुलिस की एक विशेष टीम ने कोर्ट के आदेश पर उसे रिमांड पर लिया और अब सुरक्षित स्थान पर उससे पूछताछ की जा रही है। 22 नवंबर को रांची के ओरमांझी में जमीन कारोबारी के दो कर्मचारियों जावेद अंसारी और आजाद अंसारी को बाइक सवार अपराधियों ने गोली मारकर घायल कर दिया था। इस वारदात के बाद पुलिस ने सिल्ली डीएसपी अनुज उरांव के नेतृत्व में जांच शुरू की। जांच में पता चला कि इस घटना को अंजाम देने में सुजीत सिन्हा के गिरोह की संलिप्तता थी। गोलीबारी के मामले में पुलिस ने सुजीत सिन्हा के गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया। पता चला कि वारदात में गैंगस्टर की पत्नी और परिवार के अन्य सदस्य भी शामिल थे। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि पूछताछ के दौरान अन्य घटनाओं में भी सुजीत सिन्हा की भूमिका की जांच की जाएगी। पिछले कुछ महीनों से हजारीबाग जेल में बंद सुजीत सिन्हा को रांची लाने के दौरान कड़ी सुरक्षा का ध्यान रखा गया। रांची पुलिस ने जेल से लेकर रांची तक की पूरी यात्रा में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखी। रांची पहुंचने के बाद उसे पुलिस की एक विशेष टीम ने अपने कब्जे में लिया और एक सुरक्षित स्थान पर पूछताछ शुरू की। पुलिस जांच में सामने आया है कि सुजीत सिन्हा का परिवार भी अपराध में लिप्त है। उसकी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्य उसकी आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। पुलिस अब यह जानने का प्रयास कर रही है कि गैंगस्टर के नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल है और उनके अपराधों का दायरा कितना व्यापक है। रांची पुलिस अब इस मामले में बड़े खुलासों की उम्मीद कर रही है। पुलिस का कहना है कि सुजीत सिन्हा से पूछताछ के दौरान कई नए सुराग मिल सकते हैं, जिससे उसके पूरे गैंग को नेस्तनाबूद किया जा सके। पुलिस ने संकेत दिया है कि इस पूछताछ के बाद कई और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

# 12 साल तक ब्लैकमेलिंग का शिकार, बुजुर्ग ने गंवाए 40 लाख रुपये

**मेदिनीनगर** || न्यायप्रहरी

**27.01.25** : शहर के एक बुजुर्ग ने 12 वर्षों तक ब्लैकमेलिंग की यातना झेली और करीब 40 लाख रुपये गंवा दिए। यह चौंकाने वाला मामला पलामू पुलिस के जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के दौरान सामने आया।

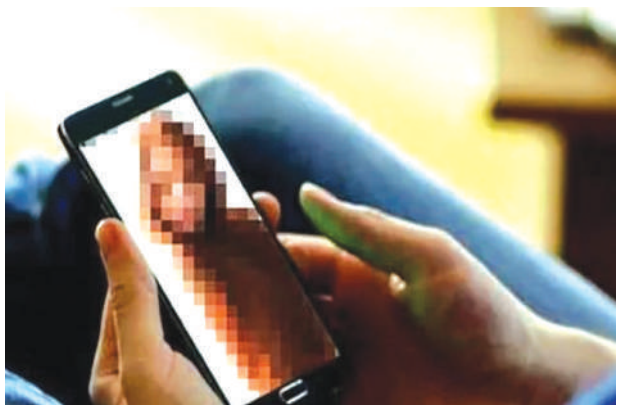

**कैसे शुरू हुआ मामला**

घटना 2014 में शुरू हुई, जब बुजुर्ग एक वीडियो कॉल के जरिए सेक्सटॉर्शन का शिकार हुए। अपराधियों ने इस वीडियो का फायदा उठाकर उन्हें ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। इसके बाद, अलग-अलग अपराधियों ने धमकियां देकर उनसे पैसे वसूलना जारी रखा।

**ब्लैकमेलिंग के बहाने और किताबों का जाल**

बुजुर्ग ने जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में बताया कि किताबों की खरीद-फरोख्त के बहाने उनके साथ ठगी की गई। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि यह सीधे तौर पर सेक्सटॉर्शन का मामला है।

**पुलिस की कार्रवाई**

पलामू पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले की जांच प्रशिक्षु आईपीएस को सौंपी है। साइबर अपराधियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। जिस बैंक खाते में वसूली का पैसा जमा किया गया था, उसकी बारीकी से जांच की जा रही है।

**पुलिस का बयान**

मेदिनीनगर टाउन थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

**साइबर अपराधियों के खिलाफ अभियान तेज**

यह मामला न केवल सेक्सटॉर्शन की गंभीरता को उजागर करता है, बल्कि यह भी बताता है कि साइबर अपराध किस तरह लोगों की जिंदगी को प्रभावित कर रहे हैं। पुलिस ने नागरिकों से सतर्क रहने और ऐसे मामलों की तुरंत सूचना देने की अपील की है। इस घटना ने समाज में साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूकता की जरूरत को फिर से उजागर किया है।

# झारखंड की लोक अदालतें अव्वल, झालसा को देशभर में मिला पहला स्थान

**रांची** || न्यायप्रहरी

**27.01.25** : झारखंड लीगल सर्विस अथॉरिटी (झालसा) ने राष्ट्रीय लोक अदालतों के आयोजन और मामलों के निपटारे में देशभर में पहला स्थान हासिल कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। दिसंबर 2024 में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत की रिपोर्ट में नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (नालसा) ने यह सम्मानित स्थान प्रदान किया।

**सफलता का श्रेय:**

झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष, न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद, ने इस सफलता का श्रेय राज्य के सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकारों को दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और आगामी 8 मार्च 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

**ऐतिहासिक निपटान:**

2024 में झालसा ने कुल 51,71,277 मामलों का निपटारा किया, जिसमें से 47,35,211 प्री-लिटिगेशन मामले और 4,36,066 कोर्ट पेंडिंग मामले थे। इसके अलावा, 4768.49 करोड़ रुपये की राशि का सेटलमेंट भी हुआ।

**2025 की तैयारियां:**

नालसा के 2025 कैलेंडर के अनुसार, पहली राष्ट्रीय लोक अदालत मार्च में आयोजित होगी। झालसा ने इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस लोक अदालत में आपराधिक सुलहनीय मामले, दीवानी विवाद, वैवाहिक मुद्दे, वन, उत्पाद, रेलवे, राजस्व, बैंकिंग और नगरपालिका से जुड़े मामलों का निपटारा किया जाएगा।

**झारखंड की साख मजबूत:**

झालसा की इस उपलब्धि ने न केवल झारखंड को गौरवान्वित किया है, बल्कि विधिक सेवा के क्षेत्र में राज्य की साख को भी मजबूत किया है। नालसा ने इस बेमिसाल प्रदर्शन के लिए झालसा को औपचारिक बधाई संदेश भेजा है। झारखंड की लोक अदालतों की यह सफलता न्यायिक प्रक्रिया को सरल, सुलभ और जन-हितकारी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

# रांची में सख्त यातायात नियम लागू, अब रात में भी ट्रैफिक पुलिस की निगरानी

**रांची** || न्यायप्रहरी

**28.01.25** : रांची में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए अब पुलिस रात में भी अभियान चलाएगी। रांची की सड़कों पर अक्सर जाम की समस्या बनी रहती है और यह शहरवासियों के लिए रोजाना की परेशानी बन चुकी है। इसे लेकर रांची रेंज के आईजी अखिलेश झा ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें रांची शहर के प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों पर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के उपायों पर चर्चा की गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अब रात में भी ट्रैफिक पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी, ताकि सड़क पर गाड़ी खड़ी करने वालों और अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

आईजी ने बैठक के दौरान यह भी निर्देश दिया कि शहर के प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों को जाममुक्त रखने के लिए कड़ी निगरानी रखी जाएगी। रांची में सड़कों पर गाड़ी खड़ी करना एक बड़ी समस्या बन गई है, और अब इसके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। इसके अलावा, फुटपाथ पर पैदल चलने वालों के लिए जगह खाली रखने के लिए भी अभियान चलाया जाएगा। फुटपाथों पर जब भी अतिक्रमण देखा जाएगा, उसे तत्काल हटाया जाएगा। इससे पैदल चलने वाले नागरिकों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

इसके साथ ही, शहर में टूटी हुई डिवाइडरों को ठीक करने का काम भी किया जाएगा, जो अक्सर दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। आईजी ने कहा कि कई स्थानों पर डिवाइडर टूटे हुए हैं, जिसके कारण लोग दूरी बचाने के लिए रास्ता बदलते हैं और जाम की स्थिति उत्पन्न होती है। इन टूटे हुए डिवाइडरों को दुरुस्त करके यातायात को सुचारू बनाने की योजना है।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्रमुख चौक-चौराहों से 50 मीटर की दूरी तक पार्किंग और फेरी लगाने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। इसके लिए सड़कों पर साइनेज बोर्ड लगाए जाएंगे, ताकि लोग इसका पालन करें। इस आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ट्रैफिक नियमों का पालन न करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी, ताकि यातायात व्यवस्था को सुधारने में मदद मिले।

इस बैठक में ट्रैफिक एसपी, डीएसपी, शहर के आठ यातायात थाना प्रभारी और अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे। प्रशासन ने अब ऐक्शन लेने की पूरी तैयारी कर ली है और इस अभियान को सफल बनाने के लिए पुलिस को पूरी तरह से मुस्तैद किया जाएगा।

# प्यार में पागल प्रेमी का खूनी खेल, एक तरफा प्यार में दो बच्चों की मां की हत्या; आरोपी गिरफ्तार

**रामगढ़** || न्यायप्रहरी

28.01.2025 : झारखंड के रामगढ़ जिले के गोला थाना क्षेत्र में एक सनकी प्रेमी ने अपनी एकतरफा प्यार की जिद को खून की सजा दे दी। यहां के चक्रवाली गांव में एक महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। मृतका दो बच्चों की मां थी, और उसका नाम मंजू देवी था। इस घिनौनी घटना का आरोप अलमारी मिस्त्री अफजल अंसारी उर्फ राजा अंसारी पर है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

घटना के बारे में जानकारी सामने आई है कि मंजू देवी अपने पति कलेन्द्र मुंडा और दो बच्चों के साथ चोपादारू मेला देखने गई थी। मेला देखकर घर लौटने पर उन्होंने चिकन खाने की इच्छा जताई। इस पर कलेन्द्र मुंडा मुर्गा लाने के लिए मगनपुर गए। जब वह लौटे तो उन्होंने देखा कि घर का किचन खून से सना हुआ था और उनकी पत्नी मंजू देवी की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। कलेन्द्र मुंडा के पैरों तले जमीन खिसक गई, जब उन्होंने देखा कि उनकी पत्नी की हत्या हो चुकी थी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने जांच शुरू की और पता चला कि मृतका का पहचान गांव के ही अलमारी मिस्त्री अफजल अंसारी उर्फ राजा अंसारी से थी। पुलिस की पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि राजा अंसारी लंबे समय से मंजू देवी से एकतरफा प्यार करता था। मंजू देवी ने उसे कई बार नजरअंदाज किया और यहां तक कि उसने राजा अंसारी से बातचीत करना भी बंद कर दिया था।

सूत्रों के अनुसार, मंजू देवी ने भारत माला परियोजना के तहत अपनी जमीन के बदले मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल किया और इसके बाद उसने राजा अंसारी से पूरी तरह से दूरी बना ली। इस कदम से राजा अंसारी बहुत नाराज था। उसकी नाराजगी का आलम यह था कि उसने इस गुस्से को हत्या के रूप में परिणत किया। राजा अंसारी ने गला रेतकर मंजू देवी की हत्या कर दी।

घटना के बाद पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और एसआईटी का गठन किया। जांच में आरोपी को गिरफ्तार किया गया, और उसके पास से हत्या में इस्तेमाल किए गए चाकू और खून से सने कपड़े भी बरामद किए गए। पुलिस ने हत्या के सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की योजना बनाई है।

एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद ने इस मामले की गंभीरता को स्वीकार करते हुए कहा कि पूरी जांच की जा रही है और किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह घटना समाज के लिए एक कड़ी चेतावनी है कि एकतरफा प्यार की भावनाओं को काबू में रखना जरूरी है, और ऐसे अपराधों की सख्ती से निंदा की जानी चाहिए।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है और उसे जल्द ही अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस ने यह भी बताया कि वह इस मामले में हर पहलू की गहनता से जांच कर रहे हैं, ताकि किसी और दोषी का नाम उजागर किया जा सके।

# झारखंड पुलिस ने गणतंत्र दिवस पर झंडोत्तोलन कर अपराध और नक्सलमुक्त राज्य की प्रतिबद्धता जताई

**रांची** || न्यायप्रहरी

**26.01.25 :** झारखंड में गणतंत्र दिवस का अवसर राज्य पुलिस बल के लिए विशेष महत्व का रहा। राज्य के पुलिस मुख्यालय में आयोजित समारोह में डीजीपी अनुराग गुप्ता ने झंडोत्तोलन किया और झारखंड को अपराध और नक्सल मुक्त बनाने की दिशा में पुलिस की प्रतिबद्धता को दोहराया। अपने संबोधन में डीजीपी ने कहा कि झारखंड पुलिस संविधान में निहित प्रावधानों और सिद्धांतों का पालन करते हुए एक सुरक्षित और समृद्ध राज्य का निर्माण करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने पुलिस बल की सराहना करते हुए कहा कि यह बल राज्य में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए हर चुनौती का सामना करने के लिए तत्पर है।

**जन शिकायत समाधान कार्यक्रम की सफलता**

झारखंड पुलिस द्वारा आयोजित जन शिकायत समाधान कार्यक्रम को जनता और प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए एक प्रभावी माध्यम बताया गया। डीजीपी ने इस कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पहल आम जनता की शिकायतों के त्वरित समाधान में मददगार साबित हो रही है। पुलिस मुख्यालय और जिला स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम ने जनता के विश्वास को मजबूत किया है। डीजीपी ने आश्वासन दिया कि यह प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी, जिससे पुलिस और आम लोगों के बीच की दूरी को कम किया जा सके।

**नक्सल विरोधी अभियानों में ऐतिहासिक प्रगति**

झारखंड पुलिस ने 2024 में नक्सलवाद के खिलाफ बड़े पैमाने पर सफलता प्राप्त की। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि पुलिस ने नक्सलियों के खिलाफ अपने अभियानों में उल्लेखनीय प्रगति की है। इस दौरान 248 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया, 24 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, और 9 नक्सली मुठभेड़ों में मारे गए। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि झारखंड पुलिस ने नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए व्यापक रणनीतियां अपनाई हैं। डीजीपी ने 2025 को नक्सलवाद के खात्मे का वर्ष घोषित करते हुए कहा कि पुलिस की ये कार्रवाई झारखंड को नक्सल मुक्त राज्य बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

**संगठित अपराध के खिलाफ निर्णायक कदम**

संगठित अपराध के खिलाफ झारखंड पुलिस ने 2024 में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। डीजीपी ने बताया कि राज्य में सक्रिय संगठित आपराधिक गिरोहों पर लगाम कसते हुए 154 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई ने अपराधियों के नेटवर्क को कमजोर किया और राज्य में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने में मदद की। संगठित अपराध पर लगाम लगाने के लिए झारखंड पुलिस की यह पहल प्रशंसनीय है और इसे जनता के बीच व्यापक समर्थन प्राप्त हो रहा है।

**मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई**

अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ झारखंड पुलिस ने व्यापक अभियान चलाया। 2024 में, मादक पदार्थ तस्करी के मामलों में 1,362 तस्करों को गिरफ्तार किया गया और 1.82 करोड़ रुपये मूल्य के अवैध मादक पदार्थ जब्त किए गए। पुलिस की इस कार्रवाई ने न केवल तस्करों के नेटवर्क को तोड़ा, बल्कि मादक पदार्थों की उपलब्धता को भी कम किया। डीजीपी ने इस सफलता को पुलिस बल की सतर्कता और समर्पण का परिणाम बताया।

**साइबर अपराध पर लगाम**

झारखंड पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ भी बड़ी सफलता हासिल की। 2024 में, साइबर अपराध में संलिप्त 1,869 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा, पुलिस ने अपराधियों के खातों में जमा 67.20 करोड़ रुपये फ्रीज किए और 3 करोड़ रुपये से अधिक की राशि पीड़ितों को वापस दिलाई। इस सफलता ने न केवल साइबर अपराधियों के नेटवर्क को तोड़ा, बल्कि पीड़ितों को आर्थिक राहत भी पहुंचाई। डीजीपी ने साइबर अपराध के खिलाफ पुलिस की इस पहल को राज्य की डिजिटल सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

**नक्सलवाद के खात्मे की ओर बढ़ते कदम**

झारखंड पुलिस ने नक्सलवाद के खात्मे के लिए अपनी रणनीतियों में बदलाव करते हुए प्रभावी कदम उठाए हैं। 2024 में किए गए अभियानों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अभियान चलाए गए। पुलिस ने नक्सलियों के ठिकानों को नष्ट किया और उनके वित्तीय स्रोतों पर हमला किया। डीजीपी ने कहा कि 2025 को नक्सलवाद के खात्मे का वर्ष बनाने के लिए पुलिस बल पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

**पुलिस बल की सराहना और भविष्य की योजनाएं**

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने झारखंड पुलिस के प्रयासों की सराहना की और कहा कि यह बल राज्य में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने पुलिसकर्मियों से संविधान के प्रति समर्पित रहकर अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि झारखंड पुलिस की यह प्रतिबद्धता राज्य को अपराध मुक्त और नक्सल मुक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

**जनता की अपेक्षाएं और विश्वास**

झारखंड पुलिस की इन कार्रवाइयों ने राज्य की जनता के बीच पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाया है। जनता अब पुलिस बल से अपराध और नक्सलवाद के खिलाफ और अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा कर रही है। डीजीपी ने जनता को आश्वासन दिया कि पुलिस बल उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि झारखंड पुलिस राज्य में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

झारखंड पुलिस ने 2024 में नक्सलवाद, संगठित अपराध, मादक पदार्थ तस्करी, और साइबर अपराध के खिलाफ उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

2025 को नक्सलवाद के खात्मे का वर्ष घोषित करते हुए डीजीपी अनुराग गुप्ता ने राज्य को अपराध मुक्त बनाने का विश्वास दिलाया। यह कदम झारखंड को शांति और विकास के मार्ग पर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। जनता अब पुलिस बल की इन कार्रवाइयों को झारखंड के सुनहरे भविष्य की ओर बढ़ते कदम के रूप में देख रही है।

# सीएम हेमंत सोरेन ने किया झंडोतोलन,

## नारी शक्ति और जनकल्याण योजनाओं पर दिया जोर

**दुमका** || न्यायप्रहरी

**26.01.25 :** पुलिस लाइन मैदान में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झंडोतोलन किया। उन्होंने परेड का निरीक्षण किया और तिरंगे को सलामी दी। अपने संबोधन में सीएम ने राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हाल के विधानसभा चुनावों में जनता ने इंडिया गठबंधन पर भरोसा जताया, जिसके चलते गठबंधन सरकार दोबारा सत्ता में आई। सीएम ने भरोसा दिलाया कि सरकार जनता के विश्वास पर खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति के उत्थान पर जोर देते हुए कहा कि "मंईयां सम्मान योजना" इसका प्रमुख उदाहरण है। यह योजना महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

**महिला, बाल विकास विभाग की झांकी को मिला प्रथम पुरस्कार**

गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान निकाली गई झांकियों में महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की झांकी को "मंईयां सम्मान योजना" पर आधारित प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार मिला। झांकी देख सीएम इतने प्रभावित हुए कि वे मंच से उतरकर महिलाओं का उत्साहवर्धन करने पहुंचे।

दूसरे स्थान पर संयुक्त रूप से वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग और जिला ग्रामीण विकास शाखा की झांकी रही, जबकि तीसरे स्थान पर पुलिस विभाग की झांकी को स्थान मिला। सीएम ने सभी विजेताओं को सम्मानित किया।

**एनसीसी प्लस टू बालिका ने परेड में बाजी मारी**

परेड में 15 टुकड़ियों ने हिस्सा लिया, जिसमें एनसीसी प्लस टू बालिका की टीम ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। दूसरा स्थान आईआरबी जामताड़ा महिला प्लाटून और तीसरा स्थान गृह रक्षा वाहिनी दुमका को मिला। मुख्यमंत्री ने विजेता प्लाटून कमांडरों को पुरस्कार प्रदान किया।

**श्रेष्ठ कार्य करने वाले कर्मियों को मिला सम्मान**

समारोह में सीएम ने स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों के साथ-साथ विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया।

सम्मानित होने वालों में रानी सोरेन, स्वाती राज, राजू बांद्रा, मेघा बेसरा, पवन कुमार मिश्रा, बासुकीनाथ चतुर्वेदी, अर्पिता प्रसाद और बसंती हेंब्रम शामिल रहीं। सम्मान पाकर सभी कर्मी बेहद खुश नजर आए।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
को अपने व्हाट्सप्प पे मंगवाने के लिए संपर्क करें
– 887331159

# बोकारो पुलिस लाइन मैदान में 76वें गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन

**बोकारो** || न्यायप्रहरी

26.01.2025 : सेक्टर 12 स्थित पुलिस लाइन मैदान में 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री ने तिरंगा फहराकर परेड का निरीक्षण किया। इस आयोजन में देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों और शानदार परेड का प्रदर्शन हुआ।

समारोह में झंडोत्तोलन के बाद मंत्री ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और नागरिकों से अपने कर्तव्यों का पालन करने की अपील की।

**परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रम बने आकर्षण का केंद्र**

पुलिस लाइन के मैदान में 12 प्लाटूनों ने परेड में हिस्सा लिया, जिसमें झारखंड पुलिस, सीआरपीएफ, और होमगार्ड्स की टुकड़ियों ने अपनी अनुशासन और कौशल का प्रदर्शन किया। इसके अलावा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए देशभक्ति के संदेश को दर्शकों तक पहुंचाया गया।

**उपस्थित अधिकारी और अतिथि**

*इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक डॉ. माइकल राज, उप महानिरीक्षक कोयला प्रक्षेत्र सुरेंद्र झा, उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव, पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद थे।*

**जनता की सहभागिता और उत्साह**

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहरवासियों और मीडिया प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। उपस्थित लोगों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और परेड को सराहा और देशभक्ति के इस भव्य आयोजन का हिस्सा बनने पर गर्व जताया।

76वें गणतंत्र दिवस का यह आयोजन न केवल देशभक्ति का जज्बा जगाने में सफल रहा, बल्कि समाज को एकजुट होकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संदेश भी दिया।